मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

भोपाल, सोमवार 26 जनवरी 2026 | www.amritdarshan.com | Email : amritdarshan@yahoo.com | वर्ष : 36 | अंक : 313 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 1 रु. | RNI NO. 50259/90

लाल परेड ग्राउंड में राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह हुआ

राज्यपाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया परेड का निरीक्षण कर ली सलामी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सामाजिक न्याय, किसान समृद्धि, जनजातीय उत्थान, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाएँ, आधारभूत संरचना विस्तार, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, उद्योग प्रोत्साहन तथा सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में लेकर कार्य कर रही है। इन क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियाँ प्रदेश को आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनाने की दिशा में मजबूत आधार तैयार कर रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि मध्यप्रदेश को बाबा साहेब की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है और सामाजिक न्याय, समता तथा बंधुत्व के उनके विचार प्रदेश के मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर सशक्त, आत्मविश्वासी और सम्मानित राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है, जहाँ गरीब, युवा, किसान और नारी विकास के केंद्र में हैं। राज्यपाल पटेल लाल परेड ग्राउंड भोपाल में गणतंत्र दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में प्रदेशवासियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी नागरिकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, संविधान सभा के सदस्यों और अमर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। राज्यपाल पटेल ने समारोह स्थल में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, परम्परागत लोकनृत्यों और झांकियों की प्रस्तुति का अवलोकन किया। परेड कमांडरों के साथ परिचय प्राप्त कर फोटो भी खिंचवाया। समारोह में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्रप्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उनके परिजन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

आकर्षक परेड के साथ प्रस्तुत हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभागीय झांकियां भी निकली

राज्यपाल पटेल ने कहा- प्रदेश की उपलब्धियाँ आत्मनिर्भर और विकसित राज्य निर्माण की मजबूत नींव

अनुसूचित जाति वर्ग के लिए पहल

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पिछले दो वर्षों में 50 लाख विद्यार्थियों को सवा दो हजार करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी गई है। अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थी आईआईएम, आईआईटी, एनआई और एनएलआईयू जैसे संस्थानों में अध्ययन कर रहे हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए विदेश अध्ययन हेतु प्रति विद्यार्थी प्रतिवर्ष 50 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग 45 लाख रुपये) तक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश के 30 जिलों में संत रविदास सामुदायिक भवनों का निर्माण कराया जा रहा है।

राज्यपाल के संबोधन की खास बातें

- प्रदेश के 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों से 25 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। कक्षा 11वीं, 12वीं के लगभग 2 लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जा रही है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत संचालित 94 सांदीपनि विद्यालयों में केजी-1 से 12वीं तक शिक्षा दी जा रही है, जिनके लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रावधान है।
- वर्तमान रबी सीजन में 19,895 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत मांग की सफल पूर्ति की गई। एक हेक्टेयर तक भूमि और 5 हॉर्सपावर तक के कृषि पंप वाले अनुसूचित जाति एवं जनजाति कृषकों को नि:शुल्क बिजली दी जा रही है।
- समाधान योजना 2025-26 के अंतर्गत लगभग 12.5 लाख उपभोक्ताओं का 281 करोड़ रुपये सरचार्ज माफ किया गया तथा 653 करोड़ रुपये के बिल जमा हुए। पीएम जनमन योजना के तहत लगभग 28 हजार घरों का विद्युतीकरण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिप्रा के तट पर उज्जैन में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और लोकतंत्र रक्षकों का किया सम्मान

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और लोकतंत्र रक्षकों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत और सिंहस्थ पर केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां भी हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों, समारोह में प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विभागीय झांकियों को पुरस्कृत भी किया। समारोह में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सीमा यादव, सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, विभिन्न धर्मों के धर्मगुरू, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, छात्र-छात्राएं व नागरिक उपस्थित रहे।

गुब्बारे छोड़ कर दिया राष्ट्रभक्ति और जनसेवा का संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्तिक मेला मैदान स्थित शिप्रा तट सुनहरी घाट पर तिरंगा कलर के गुब्बारे खुले आकाश में छोड़ कर राष्ट्रभक्ति और जनसेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर मां शिप्रा में 40 से अधिक तिरंगे रंग से सरावोर नाव पर तिरंगा ध्वज लिए होमगार्ड, एसडीईआरएफ के जवान उपस्थित होकर देश भक्ति के गीत गा रहे थे। घाट पर तिरंगे की थीम पर साज-सज्जा की गई साथ ही घाट पर जनजातीय भील कलाकारों द्वारा भगोरिया नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गणतंत्र दिवस के मंगल अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और प्रदेश की जनता के नाम संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज राष्ट्र के जन-गण-मन में देशभक्ति और देश के लिए गर्व का भाव सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व-गुण के फलस्वरूप संपूर्ण विश्व में भारत की गरिमा बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत माता की आज़ादी के लिए हँसते-हँसते सूली चढ़ने वाले अमर शहीदों के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीएम मोदी के नेतृत्व-गुण के फलस्वरूप संपूर्ण विश्व में बढ़ रही है भारत की गरिमा

मुख्यमंत्री की उपस्थित में 4000 मेगावाट के पावर सप्लाई एग्रीमेंट होंगे हस्ताक्षरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में 27 जनवरी को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में 4 हजार मेगावॉट बिजली के पॉवर सप्लाई एग्रीमेंट हस्ताक्षरित होंगे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि नये पॉवर हाउस अनूपपुर में स्थापित होंगे।

शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर देश एवं प्रदेशवासियों सभी पाठकों, विज्ञापन दाताओं को दैनिक अमृत दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

- संपादक

अवकाश की सूचना

दैनिक अमृत दर्शन कार्यालय में 27 जनवरी को अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

कोलकाता के एक गोदाम में लगी भीषण आग, 7 की मौत

कोलकाता। गणतंत्र दिवस की सुबह कोलकाता में भीषण आग लग गई। आनंदपुर स्थित एक फूड डिलीवरी कंपनी का गोदाम जलकर खाक हो गया। सूचना मिलते ही 15 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग में सात लोगों की मौत हो गई। कम से कम 20 लोग अभी भी लापता हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस गोदाम में कई यूनिट्स मौजूद थी। एक फेमस फूड चेन का गोदाम और एक स्थानीय कंपनी का दूसरा गोदाम।

यूजीसी के नए समता नियमों पर सवर्ण समाज का विरोध

सरकार ने रास्ता निकालने के लिए शुरू किया मंथन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए समता नियमों को वैसे तो उच्च शिक्षण संस्थानों से भेदभाव को मिटाने के लिए लाया गया था लेकिन सवर्ण समाज इन नियमों के दुरुपयोग होने को लेकर जिस आशंकित है और विरोध में खड़ा हो गया है, उससे न सिर्फ केंद्र सरकार की चिंताएं बढ़ गई है बल्कि संस्थानों में छात्रों के बीच और कटुता बढ़ने की भी संभावना है। केंद्र सरकार इसका रास्ता ढूंढने में जुट गई है। बताया जा रहा है कि इस सिलसिले में शिक्षा मंत्रालय व यूजीसी ने महाधिवक्ता से संपर्क साधा है। माना जा रहा है कि जल्द ही इसका कोई रास्ता निकाला जा सकता है। नए नियम में अनुसूचित जाति और जनजाति के साथ साथ ओबीसी को भी जोड़ा गया है और दुरुपयोग होने पर कार्रवाई जैसा प्रविधान हटा दिया गया है। चिंताएं इसी से बढ़ी हैं।

वैसे भी सवर्ण समाज यूजीसी के इन नियमों को लेकर जिस तरह से आंदोलित है और उन्हें समाज से जुड़े सांसदों, विधायकों व दूसरे नेताओं का समर्थन मिल रहा है, उससे इस आंदोलन के और भी उग्र होने की संभावना है। इनमें सवर्ण समाज के जुड़े कई भाजपा सांसद खुलकर मैदान में उतर गए है।

सूत्रों की मानें तो इस विरोध को बढ़ते देख शिक्षा मंत्रालय ने नए समता नियमों पर सवर्ण समाज की आपत्तियों को लेकर नए सिरे से मंथन शुरू किया है।

अंतर्मना उवाच

आज का माहौल कुछ इस प्रकार से बड़ा मुश्किल हो रहा है.. अपने और अपनों के बीच रिश्तों का तालमेल बिठाना..!

भारतीय संस्कृति की दो पहचान थी -- ***कुशलक्षेम पूछना और अतिथि सत्कार करना।*** *भारतीय संस्कृति में किसी की कुशलक्षेम पूछना जन्म गत संस्कार और स्वभाव में थे, लेकिन यह संस्कार धीरे-धीरे औपचारिक बन गये।*

हम घर परिवार समाज में किसी से भी मिलते हैं, तो पूछते हैं- ***कैसे हो?*** *सामने वाला कहता है -* ***अच्छे हैं।*** *सच में -* ***न पूछने वाले को मतलब, न बताने वाले को कुछ लेना देना।*** *यदि हकीकत में बताने वाला अपनी हकीकत बयां कर दे, या रोना धोना बताने बैठ जाये तो लोग कुशलक्षेम पूछना ही छोड़ दे। पहले -- कोई भी अतिथि मंदिर में दिख जाये या कहीं बाहर दिख जाये तो पहला शब्द निकलता था - घर चलो भोजन के लिए।* ***पहले के लोग भोजन खिलाकर खाना खाते थे और आज घर में कोई मेहमान आ जाये तो सोचते हैं, यह जाये तो हम खाना खायें।*** *समय की बलिहारियाँ। समय ऐसा बदला कि अपने ही परिवार के लोग अब मेहमान बनकर आने लगे हैं। इसलिए* ***मैं कहता हूं -- रस ही कहां रिश्तो में।***

अपने दर्द को अपने रब से बोल दिया करो.. फिर दर्द जाने, दवा जाने, और खुदा जाने...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

77वें गणतंत्र दिवस परेड पर दुनिया ने देखी भारत की ताकत

कर्तव्य पथ पर सैन्य ताकत के साथ दिखी ऑपरेशन सिंदूर की झलक

कर्तव्य पथ ने भारत की प्रगति, संस्कृति और सामरिक शक्ति का अद्भुत प्रदर्शन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कर्तव्य पथ 77वें गणतंत्र दिवस परेड के मौके पर सोमवार को देश की प्रगति, संस्कृति और सामरिक ताकत की मनोहारी झलक से रूबरू हुई। जहां तीनों सेनाओं ने अपने-अपने अंदाज में सिंदूर फार्मेशन के जरिए ऑपरेशन सिंदूर के पराक्रम को जीवंत किया। गणतंत्र दिवस परेड़ की मुख्य थीम वैसे तो इस बार राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पर केंद्रित थी मगर निसंदेह तीनों सेनाओं की ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी युद्ध कौशल झलकियों का परेड में वर्चस्व दिखा।

सेना और नौसेना के जवानों ने अपने-अपने अंदाज में तो भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने फ्लाईपास्ट में एक खास सिंदूर फॉर्मेशन में उड़ान भरते हुए कर्तव्य पथ को गौरवशाली रोमांच का झण दिया। राज्यों की रंग-बिरंगी झाकियां भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को दर्शाया।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित मध्यप्रदेश की झाँकी

नई दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड 2026 में मध्यप्रदेश की झांकी 'पुण्यश्लोका लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर' ने कर्तव्य पथ पर अपनी भव्य और भावपूर्ण प्रस्तुति से देशवासियों का ध्यान आकर्षित किया। यह झांकी लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती को समर्पित रही, जिसमें उनके गौरवशाली व्यक्तित्व, सुशासन, आत्मनिर्भरता, नारी सशक्तीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण की विरासत को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया गया।

पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

इस पहले गणतंत्र दिवस समारोह की औपचारिक शुरूआत राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पीएम मोदी द्वारा शहीद वीर सैनिकों की स्मृतियों पर श्रद्धांजलि देने से शुरू हुई। इसके उपरांत पीएम कर्तव्य पथ पर पहुंचे जहां रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तथा तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने उनकी आगवानी की। राष्ट्रपति मुर्मू परेड के दोनों विदेशी मेहमानों उर्सुला तथा कोस्टा संग शाही बग्गी में कर्तव्य पथ पर शामिल हुए।

गणतंत्र दिवस के मौके पर उन्नति पैनल का भव्य कार्यक्रम, आयोजन में सैकड़ों व्यापारियों ने भाग लिया

जो जुबान पर न रहे उसका विश्वास कमजोर - गोविंद गोयल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

विगत दिवस गणतंत्र दिवस के अवसर पर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री भोपाल के चुनाव में मजबूती के साथ दावेदारी करने वाले गोविंद गोयल द्वारा नेतृत्व किये जा रहे उन्नति पैनल ने एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन गुजराती भवन में किया ।

कार्यक्रम में भोपाल के लगभग डेढ़ हजार से अधिक व्यापारियों ने हिस्सा लिया कार्यक्रम के दौरान उन्नति पैनल के तमाम पदों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों ने बारी बारी से मंच पर जाकर अपनी बात कही,सभी से उन्हें जिताने की अपील की तथा अपना परिचय दिया।

इस दौरान महानगर के कुछ अन्य प्रतिष्ठित व्यापारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किया तथा उन्नति पैनल को चुनाव में सफल बनाने पर जोर दिया।

पूर्व मंत्री पीपी शर्मा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि अध्यक्ष प्रत्याशी गोविंद गोयल इतने सक्षम है, कि एक बार जो काम मैं नहीं करा पाया था, वह काम दबाव बनाकर गोविंद गोयल ने व्यापारियों के हित में कराया था।

कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष पद के प्रत्याशी और प्रतिष्ठित व्यापारी कांग्रेस के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष गोविंद गोयल ने भी सभी व्यापारी बंधुओं को संबोधित किया।

गोविंद गोयल ने अपने उद्बोधन में कहा -कि व्यापार में या किसी भी क्षेत्र में सबसे बड़ी कीमत जुबान की होती है, जुबान किसी की भी साख का प्रतीक है, जो व्यक्ति जुबान से फिर गया ,उसका फिर कोई विश्वास नहीं रहता है ।मैं तो यह चुनाव लड़ना भी नहीं चाहता था ,सभी जानते हैं कि यह चुनाव आकाश गोयल लड़ने वाले थे ।लेकिन ऐन मौके पर मुझे विश्वास में लिया गया ,और निर्विरोध चुनाव कराने का आश्वासन मिला। अध्यक्ष पद के लिए मुझे कहा गया जबकि मैं चुनाव में नहीं आना चाहता था बैठक में सभी उस समय मौजूद थे ,मुझे नेतृत्व करने को कहा बधाई दी जाने लगी और तो और मिठाई ना होने के कारण मुंह मीठा करने के लिए आइसक्रीम तक खिला दी गई और मुंह मीठा किया गया। लेकिन बाद में वही लोग अपनी जुबान से और साख से फिर गए ।मैं अपनी जुबान से नहीं लूंगा मैं अब आपके सामने हूं केवल व्यापारियों के हित में काम किया जाएगा अभी हमारे चेंबर में सदस्यों की संख्या बहुत कम है इसे बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा भोपाल में काम से कम 25000 तो छोटे-छोटे किराना व्यापारी ही हैं। इन सबको जोड़ा जाएगा, पुराने सदस्यों को फिर से शामिल किया जाएगा और गतिविधि शुल्क भी आधा कर दिया जाएगा। इसके साथ वर्ष में एक सम्मान समारोह का आयोजन होगा। जिसमें चैंबर से जुड़े हुए तमाम क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों का सम्मान भी होगा ।

कार्यक्रम के दौरान स्नेह भोज के साथ राष्ट्रभक्ति गीतों का कार्यक्रम भी किया गया।

जनसंपर्क के दौरान मिल रहे समर्थन से उन्नति पैनल उत्साहित: चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चुनाव अब रोचक होते हुए नजर आ रहे हैं।आमने-सामने के मुकाबले में उन्नति पैनल लगातार बढ़त बनाते हुए देखा जा रहा है।उन्नति पैनल से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल और उनकी पूरे पैनल को व्यापारियों का लगातार समर्थन मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। उन्नति पैनल के जनसंपर्क के दौरान जगह-जगह गोविंद गोयल सहित पूरे पैनल का जोरदार स्वागत किया जा रहा है ।

सराफा बाजार एसोसिएशन के व्यापारियों का मिला समर्थन: अपने जनसंपर्क के क्रम में उन्नति पैनल ने सोमवारा, लखेरापूरा, इब्राहिमपुरा, चौक बाजार और सराफा में व्यापारियों से उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जाकर पूरी पैनल के लिए वोट मांगे। इस दौरान ऐसा लग रहा था, जैसे की पैनल वोट मांगने नहीं बल्कि जीत के बाद सबका धन्यवाद ज्ञापित करने जा रही हो, क्योंकि जिस तरीके से चुनाव जीतने के बाद किसी का विजय जुलूस निकलता है उसी प्रकार उन्नति पैनल गोविंद गोयल के नेतृत्व में भी व्यापारियों के बीच पहुंच रही है। वहीं सराफा बाजार एसोसिएशन ने भी पूर्ण रूप से गोविंद गोयल और उन्नति पैनल का समर्थन किया है ।वही सराफा बाजार एसोसिएशन ने भी अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल के समक्ष सराफा बाजार एसोसिएशन के व्यापारियों की ओर से कुछ मांगे भी उनके सामने रखी हैं, जिस पर गोविंद गोयल ने आश्वासन देते हुए कहा है कि हमारी पूरी पैनल की जीत होते ही हम व्यापारियों के सहायता के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

सराफा बाजार में पार्किंग की होगी उचित व्यवस्थाएं : इस दौरान अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद गोयल ने कहा है कि सराफा बाजार एक बहुत बड़ा बाजार है लेकिन यहां की सकरी गलियों में वाहन खड़े रहते हैं जिसकी पार्किंग की व्यवस्था के लिए भी चुनाव जीतने के बाद व्यापारियों का सहयोग और चर्चा कर व्यवस्थित किया जाएगा।

वन टाइम सेटलमेंट पर होगी चर्चा ,बनेगी व्यवस्था : वही उनके सामने वन टाइम सेटलमेंट की भी बात सामने आई, जिसके लिए गोविंद गोयल ने कहा कि वन टाइम सेटलमेंट की भी तरीके से योजना बनाकर आगे काम किया जाएगा। वही हम हर तरीके से व्यापारियों की मदद के लिए तत्पर रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने दी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दी हैं।उन्होंने कहा कि 26 जनवरी का दिन हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संविधान निर्माताओं की दूरदृष्टि और लोकतंत्र में हमारी अटूट आस्था का प्रतीक है।संविधान ने हमें न केवल अधिकार दिए हैं, बल्कि राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निभाने की शक्ति और दिशा भी प्रदान की है।उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने प्रदेशवासियों से आहवान किया कि इस राष्ट्रीय पर्व पर हम सब एकजुट होकर देश की एकता, अखंडता और संविधान की मर्यादा को बनाए रखने का संकल्प लें।सेवा, समर्पण और सुशासन के मूल्यों के साथ आगे बढ़ते हुए एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को साकार करें।

विकसित और स्वस्थ भारत के निर्माण में भूमिका निर्वहन का लें प्रण : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दी है।उन्होंने कहा कि आज का यह पावन अवसर हमें हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय बलिदान, संघर्ष और समर्पण का स्मरण कराता है।साथ ही, संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है, जिन्होंने भारत को एक सशक्त, लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र के रूप में दिशा दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त एवं दूरदर्शी नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली विरासत को पुन: प्राप्त करते हुए आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है और विश्वगुरु बनने की दिशा में दृढ़ कदम बढ़ा रहा है।

गणतंत्र दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई : राज्यमंत्री पटेल

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी हैं। राज्यमंत्री पटेल ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें भारतीय संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों, अधिकारों एवं कर्तव्यों का स्मरण कराता है।यह दिन समानता, न्याय एवं समरसता के साथ राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने की प्रेरणा देता है।यह किसानों, पशुपालकों के जीवन स्तर को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पशुपालकों की आय बढ़ाने, दुग्ध उत्पादन एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयासरत है।

राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने गणतंत्र दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएँ

भोपाल। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दी हैं।उन्होंने कहा कि गणतंत्र की असली ताकत आत्मनिर्भर नागरिकों से होती है, और आत्मनिर्भरता का रास्ता कौशल और मेहनत से होकर गुजरता है।राज्यमंत्री टेटवाल ने कहा कि आज का युवा नई सोच, नई तकनीक और नए अवसरों के साथ आगे बढ़ना चाहता है, और सरकार उसका साथ दे रही है।उन्होंने बताया कि युवाओं को उनकी क्षमता के अनुसार प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में कौशल विकास को रोजगार से जोड़ा जा रहा है, जिससे युवा आत्मनिर्भर बनकर न केवल अपने परिवार, बल्कि प्रदेश और देश के विकास में भी योगदान दे सकें।

'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025' पर हुआ एक दिवसीय संविमर्श

शिक्षा में स्वायत्तता आवश्यक है किन्तु वह लक्ष्य आधारित होना चाहिए : परमार

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025 '; शिक्षा की गुणवत्ता एवं प्रशासनिक समन्वय को सुदृढ़ करेगा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025' द्वारा उच्च शिक्षा संस्थान को संचालित करने के लिए विभिन्न प्रकार की जटिल अनुमतियों को समाप्त करते हुए एक ऐसी व्यवस्था विकसित की जा रही है, जिसके द्वारा शैक्षणिक संस्थानों को ज्ञान के केन्द्र के रूप में स्थापित करने का अवसर मिलेगा तथा विसंगति भी समाप्त हो सकेगी। यह विधेयक संसद में प्रस्तुत किया गया है। इस विधेयक के लिए देश के लोगों से सुझाव भी मांगे जा रहे हैं। परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश से भी सुझाव जाने चाहिए, इसके लिए आवश्यक है कि सही तथ्यों के साथ में प्रदेश की बात जेपीसी तक पहुँचे। परमार ने कहा कि शिक्षा में स्वायत्तता आवश्यक है किन्तु वह लक्ष्य आधारित होना चाहिए। विधेयक में मुख्य रूप से तीन पृथक-पृथक कार्यात्मक समिति बनाने का सुझाव है, जो शिक्षा की गुणवत्ता एवं प्रशासनिक समन्वय को सुदृढ़ करेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग तथा विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025' विषय पर रविवार को, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल के सभागार में आयोजित एक दिवसीय संविमर्श के शुभारम्भ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उद्घाटन सत्र के प्रारंभ में मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के सभापति डॉ. खेमसिंह डहेरिया ने संविमर्श की प्रस्तावना रखी। इसके पश्चात विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ने 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025' के विभिन्न प्रावधानों पर एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण प्रतिभागियों के समक्ष साझा किया।

मुख्य वक्ता प्रो. एम. जगदीश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शिक्षा प्रणाली को 'नियंत्रण' से हटाकर 'सुविधा'की ओर ले जाने पर केंद्रित है। प्रो. एम. जगदीश ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान में हमारे शैक्षणिक संस्थान कई रेगुलेटर्स और अत्यधिक डेटा अनुपालन के बोझ तले दबे हुए हैं, जिससे उनकी नवाचार करने की क्षमता प्रभावित होती है। प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य एक ऐसी 'लाइट बट टाइट' नियामक व्यवस्था बनाना है, जहाँ संस्थानों को प्रशासनिक स्वतंत्रता तो मिले, लेकिन वे पारदर्शिता और अकादमिक परिणामों के प्रति जवाबदेह भी रहें। यह स्वायत्तता संस्थानों के प्रदर्शन और शासन की गुणवत्ता से सीधे जुड़ी होगी। प्रो. एम. जगदीश ने विधेयक के बारे में बताते हुए कहा कि इस विधेयक में विनियामक परिषद, प्रत्यायन परिषद एवं मानक परिषद का प्रावधान कार्यात्मक पृथककरण के लिये किया गया है। इसमें राज्य का प्रतिनिधित्व, परिणाम आधारित दृष्टिकोण, क्रमबद्ध स्वायत्तता, पारदर्शिता का अनिवार्य प्रावधान, शैक्षणिक स्वतंत्रता, छात्र संरक्षण, जवाबदेही, स्वायत्तता का संरक्षण एवं उच्च शिक्षा के व्यवसायीकरण को रोकने के लिए आवश्यक प्रावधान किये गये हैं। यह स्वतंत्रता के बाद देश का पहला उच्च शिक्षा क्षेत्र का ऐसा विधेयक है जो देश के संघीय ढांचे को बरकरार रख रहा है साथ ही इसमें निजी क्षेत्र को भी उचित प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान किया गया है। इसमें एक महत्वपूर्ण बदलाव प्रत्यायन की प्रक्रिया में प्रस्तावित है। अब तक यह प्रक्रिया केवल डेटा और इनपुट पर आधारित थी, लेकिन भविष्य में यह छात्रों के 'लर्निंग आउटकम' और उनके प्रदर्शन पर आधारित होगी। इसके लिए एक 'स्टैंडर्ड्स काउंसिल' की परिकल्पना की गई है जो राष्ट्रीय स्तर पर मानक तय करेगी, जिससे छात्रों के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य या एक संस्थान से दूसरे संस्थान में जाना आसान हो जाएगा। यह न केवल घरेलू स्तर पर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारतीय डिग्री की स्वीकार्यता और पोर्टेबिलिटी सुनिश्चित करेगा। इसके साथ ही, शिक्षकों की भूमिका को केवल कंटेंट देने वाले से बदलकर एक 'मेंटर' के रूप में विकसित करने पर ध्यान दिया जाएगा। प्रो. जगदीश ने स्पष्ट किया कि 20 से 25 वर्ष की आयु के अधिकांश छात्र ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं जिनका प्राथमिक लक्ष्य अपनी डिग्री के बाद रोजगार प्राप्त कर अपने परिवार का भरण-पोषण करना होता है।

भोपाल रेल मंडल में गरिमा एवं उत्साह के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

हबीबगंज स्थित रेलवे कॉलोनी खेल मैदान में भव्य परेड एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ रहीं आकर्षण का केंद्र

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आज 26 जनवरी 2026 को पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल द्वारा गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व हबीबगंज स्थित रेलवे कॉलोनी के खेल मैदान में अत्यंत गरिमामय एवं राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण भव्य परेड एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ रहीं।

ध्वजारोहण एवं संबोधन: समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। तिरंगे को सलामी देने के उपरांत श्री त्यागी ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को संबोधित किया तथा पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का संदेश पढ़कर सुनाया। अपने संबोधन में उन्होंने रेल सुरक्षा, समयपालन एवं यात्री सेवाओं के क्षेत्र में भोपाल मंडल की उल्लेखनीय उपलब्धियों को रेखांकित किया।

परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम: इस अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल (RPF) तथा रेलवे स्काउट एवं गाइड के दलों द्वारा अनुशासित एवं आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों, फ्यूज़न संगीत एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। साथ ही, भविष्य में संभावित आपदाओं से निपटने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी भी साझा की गई।

पुरस्कारों की घोषणा एवं समापन: मंडल रेल प्रबंधक कोष से कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान की जाने वाली पुरस्कार राशि का विवरण वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक एवं महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा द्वारा शांति, एकता एवं प्रगति के प्रतीक स्वरूप रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए।

उपस्थिति: इस अवसर पर मंडल के वरिष्ठ शाखा अधिकारीगण, महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं, यूनियन एवं स्ट्/स्ज्ञ संगठनों के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में रेलकर्मी उपस्थित रहे।

भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय भोपाल में गणतंत्र दिवस का भव्य एवं गरिमामय आयोजन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय में उत्साह, अनुशासन एवं देशभक्ति से परिपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रभाष कुमार सुबुद्धि, मुख्य महाप्रबंधक (CGM) द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान की गूंज से पूरा परिसर देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत हो गया।

इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ नेतृत्व की गरिमामय एवं प्रभावशाली उपस्थिति रही। समारोह में महाप्रबंधक कुंदन ज्योति, महाप्रबंधक ओंकारनाथ चौधरी, महाप्रबंधक मनोज कुमार तथा महाप्रबंधक (CAO) शुभकांता कानूनगो प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

समारोह की शोभा लेडीज क्लब की अध्यक्षा एवं सदस्यों की ससम्मान उपस्थिति से और अधिक बढ़ गई। साथ ही बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे संगठनात्मक एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण का सशक्त संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र में बैंक के स्टाफ सदस्यों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर कर दिया। इन प्रस्तुतियों में राष्ट्रप्रेम, त्याग, बलिदान और संविधान के मूल्यों का सजीव एवं प्रभावशाली चित्रण देखने को मिला।

समारोह का समापन संविधान के प्रति निष्ठा, राष्ट्रीय एकता और कर्तव्यनिष्ठा के संकल्प के साथ हुआ। भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय में आयोजित यह गणतंत्र दिवस समारोह न केवल एक औपचारिक आयोजन रहा, बल्कि राष्ट्रनिर्माण में बैंक की प्रतिबद्धता, सेवा भावना और सामूहिक संकल्प का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा।

भाभा विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह 2026: राष्ट्र निर्माण का संकल्प

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भाभा विश्वविद्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह पूरे उत्साह, गरिमा और देशभक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिलीप कुमार डे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

गणतंत्र दिवस पर विश्वविद्यालय प्रशासन की गरिमामयी उपस्थिति: समारोह में विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री प्रसाद पिल्लई, प्रो वाइस चांसलर डॉ. एन.के. अग्रवाल, डॉ. भारती सतानकार, ग्रुप डायरेक्टर डॉ. मनोज शुक्ला, कुलसचिव डॉ. श्याम पाटकर, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. नामिश मेहता, सीएओ विजय कुमार पुंज सहित सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संविधान और शिक्षा की भूमिका पर प्रेरक संबोधन: मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री प्रसाद पिल्लई ने अपने संबोधन में कहा कि 1950 में लागू भारतीय संविधान ने देश को अनुशासन, अधिकार और कर्तव्यों की स्पष्ट दिशा दी। इन्हीं मूल्यों का पालन करते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन चुका है।

उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और विद्यार्थियों से उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग कर राष्ट्र के विकास में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

वार्षिक रिपोर्ट एवं शुभकामनाएं: इस अवसर पर प्रो वाइस चांसलर डॉ. एन.के. अग्रवाल, डॉ. मनोज कुमार शुक्ला, डॉ. भारती सतानकार, डॉ. नामिश मेहता एवं श्री विजय कुमार पुंज ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
खड़ीहाट
समिति प्रबंधक
बद्रीप्रसाद वर्मा
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
खजुरिया कलां
समिति प्रबंधक
प्रभुलाल गौर
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
खामलिया
समिति प्रबंधक
जगदीश मेवाड़ा
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
खंडवा
समिति प्रबंधक
शिवप्रसाद जामलिया
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
डाबरी
समिति प्रबंधक
रूपचंद वर्मा
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
गवाखेड़ा
समिति प्रबंधक
अजब सिंह ठाकुर
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
कोठरी
समिति प्रबंधक
राजाराम मालवीय
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
लसूड़िया पार
समिति प्रबंधक
रामेश्वर विश्वकर्मा
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
चरनाल
समिति प्रबंधक
केशर सिंह चौहान
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
चंदेरी
समिति प्रबंधक
प्रहलाद प्रजापति
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
मुगली
समिति प्रबंधक
धर्म सिंह परमार
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
मुंगावली
समिति प्रबंधक
केशव कुशवाह
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
बमूलिया भाटी
समिति प्रबंधक
देवसिंह जायसवाल
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
चांदबड़
समिति प्रबंधक
दिलीप सोलंकी
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

साँची परिवार की ओर से
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
साँची
Sanchi
शुद्धता का संकल्प
" परंपरा शुद्धता की, विश्वास शुद्ध दूध का "
साँची पनीर
Paneer
पनीर
200 g
भोपाल सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित, भोपाल

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
बरखेड़ा हसन
समिति प्रबंधक
नितिन विश्वकर्मा
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
बेदाखेड़ी
समिति प्रबंधक
रिषभ सिंह ठाकुर
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
बाग्रेर
समिति प्रबंधक
मांगीलाल ठाकुर
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
अहमदपुर
समिति प्रबंधक
सुभाष नामदेव
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

अनमोल वचन

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
तुलसीदास

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।
रहीम

सम्पादकीय

न्यायपालिका की विश्वसनीयता में कमी क्यों

पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का प्रहरी बनाकर सर्वोच्च स्थान दिया है। कार्यपालिका और विधायिका पर न्यायपालिका का संवैधानिक नियंत्रण, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, कानून और नियमों का राज, सभी के लिए समान अवसर यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्थाएँ अपने दायित्व का सही ढंग से निर्बाह कर रही हैं, या नहीं। इस पर नियंत्रण रखने की मूल जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। गणतंत्र के 76वें वर्ष में खड़े होकर जब हम देखते हैं, तो वर्तमान की तस्वीर पहले जैसी स्पष्ट और भरोसेमंद नजर नहीं आती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार बढ़ा है। जिस तरह के निर्णय आ रहे हैं, और टिप्पणियां हो रही हैं, उसको लेकर न्यायपालिका के ऊपर नागरिकों का दिन प्रतिदिन विश्वास घटता चला जा रहा है। बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिसने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति मे कॉलेजियम बनाम सरकार का टकराव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुप्रीम कोर्ट में मनमाने तरीके से न्यायाधीशों की बेंच में मामलों की सुनवाई संवैधानिक पीठों के गठन में देरी, महत्वपूर्ण याचिकाओं को वर्षों तक लंबित रखना, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई वर्षों तक लंबित रखने, आधे-अधूरे निर्णय देना, आदेश के स्थान पर टिप्पणियां करना। यह सब इस बात का संकेत देते हैं। न्यायिक व्यवस्था में विचारधारा सरकार का दबाव और भेदभावपूर्ण निर्णय देने का चलन बढ़ा है। सरकार मनमाने निर्णय ले रही है। न्यायपालिका कई मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं ले रही है। न्यायपालिका सरकार के प्रति वह कठोरता नहीं दिखा रही, जो संविधान और कानून नियम के अनुसार जरूरी है। नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370, चुनावी बांड, जांच एजेंसियों की मनमानी कार्यवाही, नागरिकों की धार्मिक राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर न्यायिक सक्रियता की धीमी गति ने न्यायपालिका के प्रति नागरिकों के विश्वास को कमजोर किया है। नागरिकों की यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका पर कार्यपालिका का दबाव बढ़ गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जा रहे हैं। फैसलों को लेकर सरकार का अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अब लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे चिंताजनक आरोप न्यायपालिका पर यह लग रहा है, कि अब 'अमीरों के लिए अलग न्याय और गरीबों के लिए अलग न्याय' की स्थिति बनती जा रही है। जमानत के मामलों में असमानता, धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण फैसले, वर्षों से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी, प्रभावशाली आरोपियों को त्वरित राहत मिलने, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, एसआईआर मामले की सुनवाई में तारीख पर तारीख के बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाना, इस तरह के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं। जिससे आम नागरिकों एवं न्यायविदों के मन में न्याय के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। न्यायपालिका को सरकार का संरक्षण मिलने और बदले में सरकार के हितों के प्रति नरमी दिखाने के कई फैसलों की चर्चा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस स्थिति का सीधा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ रहा है। न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर होता है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। संविधान की रक्षा का दायित्व न्यायपालिका के ऊपर है। यही लोगों के लिए अंतिम विश्वास के रूप में बना हुआ था जो अब खंडित हो रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है, कि नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका के प्रति कैसे बना रहे? इसके लिए न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी है। न्यायाधीशों और न्यायालयों को वास्तविक संरक्षण प्राप्त हो, नियुक्तियों और तबादलों में पारदर्शिता बढ़ाई जाए। संवेदनशील मामलों में समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। गरीब और वंचित वर्ग के लिए त्वरित संवेदनशील न्याय की व्यवस्था मजबूत की जाए। न्यायाधीशों के आचरण में प्रदर्शित हो। न्यायपालिका के फैसलों में स्पष्टता हो। सुप्रीम कोर्ट पूर्व में दिए गए निर्णयों एवं संवैधानिक बेंच द्वारा दिए गए निर्णयों का वर्तमान न्यायाधीश सम्मान करें। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो फैसले दिए जा रहे हैं, वह स्पष्ट हों, फैसला संविधान कानून और नियम के अनुसार किए गए हैं। यह परीलिक्षित हो। न्यायपालिका की ताकत उसकी साख में है। न्यायपालिका की साख कमजोर हुई, तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा संकट में पड़ जाएगा। आवश्यकता है, न्यायपालिका अपने भीतर झाँके। आत्ममंथन करे, अपने फैसलों से नागरिकों का अटूट विश्वास अर्जित करे। बिना भरोसे का न्याय औपचारिक बन जाता है। ऐसी स्थिति में लोग न्यायपालिका के स्थान पर गुंडे और बदमाशों के पास जाकर न्याय पाने की चेष्टा करते हैं। न्याय पाने के लिए राजनेताओं के पास जाने लगते हैं। ऐसी स्थिति में भीड़-तंत्र स्वयं न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतरने लगता है। भारत की न्यायपालिका को अपनी साख बेहतर बनाने की दिशा में काम करना होगा। अन्यथा स्थिति बहुत खराब हो सकती है।

राष्ट्रीय एकता के महायज्ञ को पूरा करने के लिए संकल्प ले, आगे आये

कांतिलाल मांडोत

> *यह वह ऐतिहासिक दिन है जब भारत ने स्वयं को केवल आजाद राष्ट्र ही नहीं बल्कि एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। इस दिन हमने अपने संविधान को अपनाया, जिसने हमें अधिकार ही नहीं दिए बल्कि कर्तव्यों की याद भी दिलाई। गणतंत्र दिवस हमें यह समझाता है कि राष्ट्र केवल सरकार से नहीं बनता, बल्कि हर नागरिक के आचरण, सोच और कर्म से बनता है।*

26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस केवल एक तारीख नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का उत्सव है। यह वह ऐतिहासिक दिन है जब भारत ने स्वयं को केवल आज़ाद राष्ट्र ही नहीं बल्कि एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। इस दिन हमने अपने संविधान को अपनाया, जिसने हमें अधिकार ही नहीं दिए बल्कि कर्तव्यों की याद भी दिलाई। गणतंत्र दिवस हमें यह समझाता है कि राष्ट्र केवल सरकार से नहीं बनता, बल्कि हर नागरिक के आचरण, सोच और कर्म से बनता है। यही दिन लोकतंत्र की भावना का सम्मान करने, संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करने का अवसर देता है। भारत की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, उसकी एकता और उसकी विविधता से है। गणतंत्र दिवस पर हम केवल परेड, झांकियों और तिरंगे को देखकर भावुक नहीं होते, बल्कि उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को भी याद करते हैं जिन्होंने इस देश की मिट्टी को अपने रक्त से सींचा। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद, अशफाक उल्ला खाँ, रामप्रसाद बिस्मिल जैसे वीरों ने हँसते-हँसते फाँसी का फंदा चुना। गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्यवाद की नींव हिला दी। जलियाँवाला बाग की अमानवीय घटना आज भी हमें याद दिलाती है कि आज़ादी कितनी भारी कीमत चुकाकर मिली है। अंग्रेजों की गोलियाँ हमारे शरीर को छलनी कर सकती थीं, लेकिन हमारे हौसलों को नहीं। उसी संघर्ष का परिणाम है कि आज हमारा तिरंगा स्वतंत्र आकाश में गर्व से लहरा रहा है।

गणतंत्र दिवस हमें केवल अतीत पर गर्व करने के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान की समीक्षा और भविष्य की दिशा तय करने के लिए प्रेरित करता है। स्वतंत्रता दिवस हो या गणतंत्र दिवस, यदि हम इन्हें केवल औपचारिक उत्सव बनाकर संतुष्ट हो जाएँ तो यह उन बलिदानों के साथ अन्याय होगा। ऐसे राष्ट्रीय पर्व मूल्यांकन दिवस होने चाहिए, जब हम खुले मस्तिष्क और शांत हृदय से यह सोचें कि हमने सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और नैतिक स्तर पर क्या हासिल किया और क्या करना अभी बाकी है। हमें स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या हम संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्शों को अपने जीवन में उतार पाए हैं।

राम के जीवन का एक प्रसंग हमें वचन की महत्ता समझाता है। दिए हुए वचन को निभाने के लिए राम ने राजपाट तक त्याग दिया। आज जब राजनीति में बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं और वे पूरे नहीं होते, तब राम का जीवन हमें आत्मचिंतन के लिए विवश करता है। लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च होती है और सत्ता सेवा का माध्यम होनी चाहिए, स्वार्थ का नहीं। नेता और सरकार यदि राम के चरित्र से प्रेरणा लें तो शासन का स्वरूप अपने आप बदल सकता है। प्रजा से राजा है, राजा से प्रजा नहीं, यह भावना यदि व्यवहार में उतर जाए तो शासन जनकल्याण का सच्चा माध्यम बन सकता है।

गांधी जी ने स्वतंत्र भारत का जो सपना देखा था, उसका केंद्र रामराज्य था। रामराज्य का अर्थ किसी धार्मिक शासन से नहीं बल्कि सद्गुणों के साम्राज्य से है, जहाँ सत्य, न्याय, करुणा और नैतिकता सर्वोपरि हों। आज स्वतंत्रता के दशकों बाद भी हम गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, असमानता और सामाजिक विषमता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। सत्ता का मोह और स्वार्थ इन समस्याओं को और गहरा कर देता है। गणतंत्र दिवस पर यह संकल्प लेने की आवश्यकता है कि शासन व्यवस्था जनकल्याण की भावना से संचालित हो और नागरिक भी अपने आचरण से राष्ट्र को मजबूत बनाएँ।

गरीबी उन्मूलन आज भी भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है। केवल सरकारी योजनाओं से ही गरीबी समाप्त नहीं होगी, इसके लिए समाज और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और समान अवसर ही गरीबी के स्थायी समाधान हैं। गणतंत्र दिवस हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हम अपने स्तर पर क्या कर सकते हैं। क्या हम किसी ज़रूरतमंद बच्चे की पढ़ाई में सहयोग कर सकते हैं, क्या हम ईमानदारी से कर देकर राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं, क्या हम अपने काम में उत्कृष्टता लाकर देश की उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। जब हर नागरिक अपने कर्तव्य को समझेगा, तभी गरीबी जैसी समस्याओं पर विजय संभव होगी। गणतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं है, बल्कि यह नागरिकों को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी का अधिकार देता है। वोट देना केवल अधिकार नहीं बल्कि जिम्मेदारी है। जागरूक और विवेकपूर्ण मतदान से ही स्वस्थ लोकतंत्र बनता है। गणतंत्र दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमें जाति, धर्म या तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में निर्णय लेने चाहिए। लोकतंत्र तभी उपयोगी है जब उसमें जनता की आवाज़ सशक्त हो और शासन जवाबदेह हो। संविधान ने हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है, लेकिन उसके साथ यह दायित्व भी दिया है कि हम उसका प्रयोग जिम्मेदारी से करें।

आज के वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। विदेशी व्यापार और विदेश नीति में संतुलित और दूरदर्शी बदलाव भारत को आर्थिक और सामरिक रूप से शक्तिशाली बना सकते हैं। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प केवल नारा नहीं बल्कि व्यवहार में उतरने वाली सोच है। स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देकर, नवाचार को प्रोत्साहित करके और वैश्विक मंचों पर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखकर भारत विश्वगुरु की दिशा में आगे बढ़ सकता है। गणतंत्र दिवस पर यह संकल्प दोहराना आवश्यक है कि भारत न केवल आर्थिक महाशक्ति बने बल्कि नैतिक नेतृत्व भी प्रदान करे।

सरकार के दायित्व और नागरिकों के कर्तव्य एक-दूसरे के पूरक हैं। सरकार का कर्तव्य है कि वह पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील शासन दे, वहीं नागरिकों का कर्तव्य है कि वे कानून का पालन करें, सामाजिक सद्भाव बनाए रखें और राष्ट्रहित में योगदान दें। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सम्मान, सामाजिक समरसता जैसे विषय केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं हैं।

स्याही से संप्रभुता तक: भारतीय संविधान की ऐतिहासिक यात्रा

योगेश कुमार गोयल

> *डा. भीमराव अम्बेडकर के अथक प्रयासों के कारण ही भारत का संविधान ऐसे रूप में सामने आया, जिसे दुनिया के कई अन्य देशों ने भी अपनाया। दिलचस्प बात यह है कि भारत के लिखित संविधान में कई चीजें विभिन्न देशों के संविधान से ली गई हैं। हमारा यह संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। हालांकि कुछ ऐसे देश भी हैं, जिनके पास अपना कोई लिखित संविधान नहीं है, ऐसे देशों में पहले से ही बने ऐसे नियमों के आधार पर ही शासन व्यवस्था चलाई जाती है, जो संविधान के अधिनियमों के बराबर महत्व रखते हैं।*

श्वेता गोयल

भारत इस वर्ष अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के संविधान का विशेष महत्व है, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था। हालांकि इसे स्वीकृत 26 नवम्बर 1949 को ही कर लिया गया था। डा. भीमराव अम्बेडकर के अथक प्रयासों के कारण ही भारत का संविधान ऐसे रूप में सामने आया, जिसे दुनिया के कई अन्य देशों ने भी अपनाया। दिलचस्प बात यह है कि भारत के लिखित संविधान में कई चीजें विभिन्न देशों के संविधान से ली गई हैं। हमारा यह संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। हालांकि कुछ ऐसे देश भी हैं, जिनके पास अपना कोई लिखित संविधान नहीं है, ऐसे देशों में पहले से ही बने ऐसे नियमों के आधार पर ही शासन व्यवस्था चलाई जाती है, जो संविधान के अधिनियमों के बराबर महत्व रखते हैं। आश्चर्य की बात है कि भारत पर करीब दो सदियों तक शासन कर चुके इंग्लैंड जैसे देश के पास भी लिखित रूप में संविधान नहीं है। समय और परिस्थितियों के अनुसार इंग्लैंड के कानून को वहां की संसद द्वारा बदला जा सकता है। सऊदी अरब भी ऐसा देश है, जिसके पास अपना कोई लिखित संविधान नहीं है, जहां कुरान में लिखी बातों को ही सर्वोच्च मानकर प्राय: अजीबोगरीब कानूनों के आधार पर ही निर्णय लिए जाते हैं। इजराइल भारत के एक वर्ष बाद यानी 1948 में आजाद हुआ था लेकिन उसके पास भी अपना लिखित संविधान नहीं है। हालांकि वहां संविधान बनाने की प्रक्रिया तो शुरू हुई थी किन्तु संसद में आपसी मतभेदों के कारण यह मूर्त रूप नहीं ले सका। इसी कारण इजराइल की संसद में अलिखित संविधान को ही मान्यता प्राप्त है, जिसके जरिये वहां की शासन व्यवस्था चलाई जाती है। इजराइल की ही भांति दक्षिण पश्चिमी प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश न्यूजीलैंड में भी अलिखित संविधान ही है और वहां भी पहले बने कानूनों को आधार मानकर न्याय एवं प्रशासनिक व्यवस्था चलती है। संविधान के लिखित अथवा अलिखित होने को लेकर कनाडा की स्थिति कुछ अजीबोगरीब है। दरअसल यहां कुछ लोग मानते हैं कि कनाडा में अलिखित संविधान के जरिये शासन होता है जबकि कुछ लोगों का कहना है कि कनाडा का लिखित संविधान है। वैसे माना जाता है कि कनाडा में लिखित संविधान तो है लेकिन यहां की सरकार अलिखित संविधान के नियमों का ही पालन करती है। जहां तक भारतीय संविधान की बात है तो प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का प्रतीक हमारा यह संविधान बहुत मेहनत के बाद तैयार हुआ था। संविधान प्रारूप समिति की बैठकें 114 दिनों तक चली थी और संविधान के निर्माण में करीब तीन वर्ष का समय लगा था। संविधान के निर्माण कार्य पर करीब 64 लाख रुपये खर्च हुए थे और इसके निर्माण कार्य में कुल 7635 सूचनाओं पर चर्चा की गई थी। मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे लेकिन 44वें संविधान संशोधन के जरिये सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर संविधान के अनुच्छेद 300 (ए) के अंतर्गत कानूनी अधिकार के रूप में रखा गया, जिसके बाद भारतीय नागरिकों को छह मूल अधिकार प्राप्त हैं, जिनमें समता या समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से अनुच्छेद 18), स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22), शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24), धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28), संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30) तथा संवैधानिक अधिकार (अनुच्छेद 32) शामिल हैं। संविधान के भाग-3 में अनुच्छेद 12 से अनुच्छेद 35 के अंतर्गत मूल अधिकारों का वर्णन है और संविधान में यह व्यवस्था भी की गई है कि इनमें संशोधन भी हो सकता है तथा राष्ट्रीय आपात के दौरान जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को छोड़कर अन्य मौलिक अधिकारों को स्थगित किया जा सकता है।

भारतीय संविधान से जुड़े रोचक तथ्यों पर नजर डालें तो हमारे संविधान की सबसे बड़ी रोचक बात यही है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। सर्वप्रथम सन् 1895 में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने मांग की थी कि अंग्रेजों के अधीनस्थ भारत का संविधान स्वयं भारतीयों द्वारा बनाया जाना चाहिए लेकिन भारत के लिए स्वतंत्र संविधान सभा के गठन की मांग को ब्रिटिश सरकार द्वारा ठुकरा दिया गया था। 1922 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने मांग की कि भारत का राजनैतिक भाग्य भारतीय स्वयं बनाएंगे लेकिन अंग्रेजों द्वारा संविधान सभा के गठन की लगातार उठती मांग को ठुकराया जाता रहा। आखिरकार 1939 में कांग्रेस अधिवेशन में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि स्वतंत्र भारत के संविधान के निर्माण के लिए संविधान सभा ही एकमात्र उपाय है और सन् 1940 में ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा ही बनाए जाने की मांग को स्वीकार कर लिया गया। 1942 में क्रिप्स कमीशन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में निर्वाचित संविधान सभा का गठन किया जाएगा, जो भारत का संविधान तैयार करेगी।

सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में 9 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा पहली बार समवेत हुई किन्तु अलग पाकिस्तान बनाने की मांग को लेकर मुस्लिम लीग द्वारा बैठक का बहिष्कार किया गया। दो दिन बाद संविधान सभा की बैठक में डा. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया।

और वे संविधान बनाने का कार्य पूरा होने तक इस पद पर आसीन रहे। 15 अगस्त 1947 को भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ और संविधान सभा द्वारा 29 अगस्त 1947 को संविधान का मसौदा तैयार करने वाली 'संविधान निर्मात्री समिति' का गठन किया गया, सर्वसम्मति से जिसके अध्यक्ष बने भारतीय संविधान के जनक डा. भीमराव अम्बेडकर।

अविमुक्तेश्वरानंद पर योगी और मौर्य आमने सामने?

मनोज कुमार अग्रवाल

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर उठे विवाद में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी और केशव मौर्या के अलग अलग सुर वाले बयानों से भाजपा सरकार को असहज कर दिया है। विरोधी इसके अलग अर्थ निकाल रहे हैं लेकिन लगता है कि पहली बार दोनों नेता किसी मुद्दे पर खुलकर एक-दूसरे के सामने आ गए हैं। गुरुवार को दिए गए इन बयानों के बाद यूपी भाजपा फिर से दो गुटों में बंटती नजर आ रही है। इस विवाद की वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं में भी असमंजस है और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। आजमगढ़ पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने अपरोक्ष रूप से शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मैं ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के चरणों में प्रणाम करता हूं। उनसे प्रार्थना है कि वह स्नान कर इस विषय का समापन करें। केशव मौर्या के इस बयान को अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में देखा जा रहा है। इससे लगता है कि वे शंकराचार्य की स्थिति को मान्यता दे रहे हैं और विवाद को शांत करने की अपील कर रहे हैं। आपको बता दें यूपी के प्रयागराज में मौनी अमावस्या को शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शाही सवारी के साथ स्नान करने निकले थे। प्रशासन ने उनके काफिले को रोक लिया था और अन्य अखाड़ों की तरह स्नान करने की सलाह दी थी। इसके बाद से विवाद भड़क गया। बात इतनी बढ़ी कि अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती धरने पर बैठ गए और प्रशासन ने भी नोटिस थमा दिया। सरकारी नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के हवाले से उन्हें शंकराचार्य मानने से इनकार कर दिया गया। इस विवाद ने तूल पकड़ा तो यूपी में समाजवादी पार्टी भी एक्टिव हो गई और उसे सनातन का अपमान बताया। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कड़े शब्द कहते सुनाई दे रहे हैं।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहते हैं कि यही योगी, जिसे आप लोग साधु-संत कहते हो, लेकिन हम उसे हुमायूं का बेटा अकबर कहते हैं और औरंगजेब कहते हैं। वे आगे कहते हैं कि योगी हिंदू कहलाने के लायक नहीं हैं। उनका आरोप है कि योगी सरकार में कई मंदिर तोड़े गए हैं, लेकिन योगी ने इस पर एक शब्द भी नहीं कहा। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी का डर है। अविमुक्तेश्वरानंद के इन बेहद आपत्तिजनक बयान पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने बहुत सधे शब्दों में पलटवार किया उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि एक योगी, संत और संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता है। यही उसके जीवन का ध्येय होना चाहिए। उसकी व्यक्तिगत प्रॉपर्टी कुछ नहीं हो सकती है। धर्म ही उसकी प्रॉपर्टी है और राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान है। अगर अगर राष्ट्र की स्वाभिमान को चुनौती देता है तो हमें खुलकर उसके सामने खड़ा होना चाहिए। कोई धर्म के खिलाफ आचरण करता है, क्योंकि ऐसे तमाम कालनेमि होंगे, जो धर्म की आड़ में सनातन को कमजोर करने की साजिश रच रहे होंगे। हमें उनसे सावधान रहना होगा, हमें सतर्क होना होगा। हालांकि योगी ने किसी का नाम लिए बिना कालनेमियो का जिक्र किया लेकिन इस से अविमुक्तेश्वरानंद विवाद और भड़क उठा।शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और यूपी सरकार के बीच विवाद अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। मौनी अमावस्या के दौरान स्नान को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती यागराज माघ मेले में ही धरने पर बैठे हैं और प्रशासन से उनकी लड़ाई जारी है।स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर पर प्रशासन ने नोटिस चस्पा किया, 48 घंटे में जवाब मांगा, और कहा कि उनके कृत्यों से व्यवस्था छिन्न-भिन्न हुई। योगी सरकार ने उन्हें 'शंकराचार्य' मानने से इनकार किया और सुविधाएं रद्द करने की धमकी दी। अविमुक्तेश्वरानंद समर्थक कुछ संतों ने योगी पर 'संत अपमान' का आरोप लगाया।

चिंतन-मनन

विचार प्रांति की जरूरत

एक समय अवांछनीय व्यक्तियों या तत्वों को हटाने के लिए मुख्यत: शस्त्रबल से ही काम लिया जाता था। तब विचारशक्ति की व्यापकता का क्षेत्र खुला न था। बहुसंख्यक जनता को एक दिशा में सोचने, कुछ करने या संगठित करने के लिए उपयुक्त साधन न थे। इसलिए संसार में जब भी अनाचार, पाप, अनौचित्य फैलता था, तब उस अनौचित्य का निवारण युद्ध द्वारा शस्त्रबल से किया जाता था। प्राचीनकाल में युग परिवर्तन की यही भूमिका रही है। इसी कारण रावण, कंस, हिरण्यकशिपु आदि अनीतिमूलक वातावरण उत्पन्न करने वालों को परास्त करनेवाले महामानवों को अवतार, देवदूत आदि सम्मानों से सम्मानित किया गया। पिछले कई वर्षों में विज्ञान ने अद्भुत प्रगति की है। संसार की अनेक सभ्यताओं और विचारधाराओं ने एक-दूसरे को प्रभावित करना आरम्भ किया। साथ ही ऐसे शस्त्रों का आविष्कार आरम्भ हुआ, जिससे युद्ध केवल दो देशों के बीच संभव न रहा। सरकारी कानून के तहत व्यक्तिगत लड़ाइयां असंभव हो गई। आज किसी देश का प्रधानमंत्री भी किसी का वध कर डाले, तो उसे जरूरी सजा भुगतनी ही पड़ेगी। पुराने जमाने में योद्धा तलवार से निपट लेते थे, पर अब तो युद्ध के अस्त्र-शस्त्र तथा क्रियाकलाप इतने महंगे हैं कि एक सैनिक को मारने का खर्च प्राय: हजारों रुपये पड़ जाता है। उसके पीछे अंतरराष्ट्रीय गुटबंदी और सहायताएं, सहानुभूतियां भी काम करती हैं। इस वैज्ञानिक युग में पिछले दो युद्ध अनंत संहारक साधनों से लड़े गये, फिर भी उनसे कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं हुआ। कहने का तात्पर्य इतना भर है कि प्राचीनकाल में अनीति व अनुपयुक्त परिस्थितियों का मूल कारण बने व्यक्तियों को निरस्त करने से वातावरण बदल जाता था, पर वैज्ञानिक प्रगति ने इस संभावना को समाप्त कर दिया। पहले कुछ शक्तिशाली शासक ही भला-बुरा वातावरण बनाने के निमित्त होते थे पर अब जनता के हर नागरिक को अपनी शक्तियां विकसित करने और उपयोग करने की ऐसी सुविधा मिल गई है कि वह स्वयं स्वतंत्र इकाई के रूप में समाज पर भारी प्रभाव छोड़ता है। अस्तु, अपने भाग्य का निर्माता स्वयं होने के शात सत्य के साथ इसी निष्कर्ष पर पहुंचना पड़ता है कि विकृत मन:स्थिति ही एकमात्र कारण है, जिसने संकटों के तूफान खड़े कर दिये हैं, अन्यथा पुराने समय में स्वल्प साधनों के रहते लोग हंसते-हंसाते जीवन जीते रहे, तो अब साधन सुविधाओं की विपुलता होते हुए विपन्न और उद्विग्न स्थिति में दिन गुजारने का अन्य कोई कारण नहीं।

खास बात

नितिन नवीन बने मोदी के बॉस

नितिन नवीन भारतीय जनता पार्टी के 12 वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। पार्टी मुख्यालय में उन्होंने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपना बॉस बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा वह पार्टी के कार्यकर्ता हैं। अब मेरे बॉस नितिन नवीन हैं।वही मेरे काम का आकलन करेंगे। पार्टी अध्यक्ष के नाते वह जो नीति निर्धारण करेंगे। उसके अनुसार ही मुझे काम करना पड़ेगा। इसलिए वह मेरे बॉस हुए।

मुंबई में भाजपा का महापौर बनेगा?

भारतीय जनता पार्टी इस बार मुंबई का महापौर पद अपने पास रखना चाहती है। इसके लिए भाजपा द्वारा काफी प्रयास किये जा रहे हैं। एकनाथ शिंदे तथा उद्धव ठाकरे भाजपा के लिए राहु केतु के रूप में सामने हैं। ऐसी स्थिति में महापौर का पद किसके पास जाएगा। इसको लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। शिंदे कह रहे हैं, कि वह किसी शिव सैनिक को ही महापौर बनाएंगे। महिला शिव सैनिक में कौन महिला मुंबई की महापौर बनेगी। यदि भाजपा की बनेगी तो कौन महिला होगी। परिणाम को लेकर इंतजार करना होगा।

मेनका गांधी पर भड़के सुप्रीम कोर्ट के जज

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी से नाराजगी जाहिर की है। अदालत ने कहा आवारा कुत्तों को लेकर वह बार-बार सुप्रीम कोर्ट आ रही हैं। पिछली सुनवाई की टिप्पणियों को वह मजाक समझ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा वह कुत्तों के मामले में गंभीर हैं। मेनका गांधी द्वारा समय-समय पर जो बयान दिए जा रहे हैं। उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट के जजों ने अपनी नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने मेनका गांधी से पूछा, जब वह केंद्रीय मंत्री थी।तब उन्होंने कुत्तों के लिए कितना बजट रखा था। जब मंत्री थी तब उन्हें कुत्तों की याद नहीं आई?

बंगाल की मतदाता सूची चुनाव आयोग के गले में फंसी

पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची चुनाव आयोग के गले में फाँस की तरह फस गई है। मतदाता सूची का यह विवाद सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। रोजाना चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट से नई-नई नसीहतें मिल रही हैं। बिहार में इसी तरह की गड़बड़ियां थी। उस समय यह मामला तूल नहीं पकड़ा। पश्चिम बंगाल के मामले में ममता दीदी चुनाव आयोग पर भारी पड़ रही हैं।ममता दीदी के रौद्ररूप को देखते हुए चुनाव आयोग को बचाव की मुद्रा में आना पड़ रहा है। चुनाव आयोग ने जिन लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से अलग किए हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, माघ शुक्ल पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथी अष्टमी, सोमवासरे, अश्वनी नक्षत्रे, सा/शु 52/29 योगे, विवकरणे, मेष की चंद्रमा, भद्रा 2/08, मूल समाप्त दिन 12/12 धान्य छेदन व्यापार तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक, योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, शासक, प्रशासक, शिक्षक लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिन्सपल तथा कवि लेखक, विधायक एवं अधिकारी होगा।

मेष राशि- मानप्रतिष्ठा बाल बाल बचे, कार्य व्यवसाय गति उत्तम, स्त्री वर्ग से क्लेश होगा।

वृष राशि- धन प्राप्ति के योग बनेंगे, नवीन मैत्री व मंत्रणा प्राप्त होगी, ध्यान अवश्य रखें।

मिथुन राशि- इष्ट मित्र वर्ग सहायक रहे, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होवे तथा कार्य बनेंगे।

कर्क राशि- सामाजिक मान प्रतिष्ठा, कार्य कुशलता, संतोषजनक रहे, कार्य बनने लगेंगे।

सिंह राशि- परिश्रम से समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे तथा व्यवसाय गति उत्तम होगी।

कन्या राशि- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद रहे, कार्यकुशलता से संतोष होगा, कार्य बनें।

तुला राशि- दैनिक व्यवसाय गति उत्तम तथा व्यवसायिक चिन्ताएं कम अवश्य होगी।

वृश्चिक राशि- कार्य वृत्ति में सुधार होगा, असमंजस तथा सफलता न मिलें कार्य अवरोध होगा।

धनु राशि- स्थिति अनियंत्रित रहे तथा नियंत्रण करना आवश्यक होगा, कलह से बचें।

मकर राशि- मानसिक खिन्नता एवं स्वभाव में मानसिक उद्विघ्नता रहे।

कुंभ राशि- योजनाएं फलीभूत हो, विघटनकारी तत्व आय को परेशान अवश्य करेगा।

मीन राशि- मनोबल उत्साह वर्धक हो, कार्य कुशलता से संतोष हो।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

26 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	कुंभ	07.48 बजे से
चंद्र	मेष में	मीन	09.21 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.51 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.31 बजे से
गुरू	मिथुन में	मिथुन	14.30 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	16.43 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.59 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.11 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.22 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.36 ब.से
7.30 से 9.00		धनु	03.52 बजे से
बजे तक		मकर	05.58 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 26 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 21.19 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 12.33 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 09.12 बजे तदनन्तर शुभ 06.20 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** विष्टि 10.17 बजे तदनन्तर बव 21.19 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 7.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 18° 46' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872601 **जूलियन दिन** 2461066.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 06 **विशेष** भीष्म अष्टमी, मासिक दुर्गाष्टमी, गणतंत्र दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में तकनीकी पेशेवरों की मांग बढ़ी

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र (प्रोसेस्ड फूड) तैयार करने वाली मल्टीनेशनल कंपनियां बड़ी तादाद में भारत का रुख कर रही हैं। ऐसे में यह क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। जिसको देखते हुए इस क्षेत्र में पारंगत लोगों की मांग भी बढ़ रही है। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं हो सकती। यही कारण है कि अब युवाओं की इसमें रुचि इसमें बढ़ती जा रही है। इस क्षेत्र को युवा अब आकर्षक कॅरियर के रूप में देख रहे हैं और इसके लिए जरुरी तकनीकी शिक्षा भी हासिल कर रहे हैं। कारोबार जगत के संगठन (फिक्की) की एक रिपोर्ट के मुताबिक फूड प्रोसेसिंग के कारोबार में भारत में कुशल लोगों की बेहद कमी है। आने वाले समय में फूड टेक्नोलॉजी का भविष्य बहुत ही सुनहरा होने वाला है। अगर आंकड़ों की मानें तो आने वाले कुछ सालों में यह उद्योग इस रफ्तार से बढ़ेगा कि नौकरियों की बहार होगी।

जरुरी योग्यता

ऐसे में यदि आप इस उभरते क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी अथवा मैथमेटिक्स विषयों के साथ 10+2 में कम से कम 50 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। एमएससी कोर्स करने के लिए फूड टेक्नोलॉजी से संबंधित विषयों में स्नातक की डिग्री भी आवश्यक होती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट का काम

फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के तहत वे सभी कार्य शामिल हैं, जिनसे प्रोस्सेड फूड जैसे- मक्खन, सॉफ्ट ड्रिंक, जेम व जेली, फ्रूट जूस, बिस्कुट, आइसक्रीम आदि की गुणवत्ता, स्वाद और रंग-रूप बरकरार रह सके। इसके अलावा वह कच्चे और बने हुए माल की गुणवत्ता, स्टोरेज तथा हाइजिन आदि की निगरानी भी करता है। वह कंपनी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। कच्चे माल से लेकर प्रोडक्ट तैयार होने तक कंपनी को उसकी हर स्तर पर जरूरत होती है। ग्लोबल स्तर पर कंपनी का भविष्य फूड टेक्नोलॉजिस्ट की योग्यता पर ही निर्भर रहता है।

मैनुफैक्चर्ड प्रोसेसेज : इस प्रक्रिया के जरिए कच्चे कृषि उत्पादों और मीट आदि पशु उत्पादों के भौतिक स्वरूप में बदलाव लाया जाता है। इससे यह उत्पाद खाने और बिक्री योग्य बन जाते हैं। वैल्यु एडेड प्रोसेसेज के जरिए कच्चे खाद्य उत्पादों में कई ऐसे बदलाव किए जाते हैं। जिससे वह ज्यादा समय के लिए सुरक्षित रहते हैं और कभी भी खाने लायक बन जाते हैं। उदाहरण के लिए टमाटर से बने सॉस और दूध से तैयार आईसक्रीम जैसे उत्पादों को देखा जा सकता है।

किस लिए है जरूरत

फूड टेक्नोलॉजिस्ट की जरूरत आज सभी देशों को है। इसका उदेद्श्य लोगों को ऐसी खाघ सामाग्री पहुंचाना है जो गुणवत्ता और स्वाद के साथ-साथ पोषक तत्वों से भी भरपूर हो।

इस क्षेत्र में किये जाने वाले प्रमुख कोर्स
बीएससी (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी
बीटेक फूड टेक्नोलॉजी
एमटेक फूड टेक्नोलॉजी
पीजी डिप्लोमा इन फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी
एमबीए(एग्री बिजनेस मैनेजमेंट

अवसर

इस कोर्स के बाद आपके पास नौकरी के कई सारे विकल्प होते हैं। आप फूड प्रोसेसिंग यूनिटों, रिटेल कंपनियों, होटल, एग्री प्रोडक्टस बनाने वाली कंपनियों से जुड़ सकते हैं। या फिर खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता जांचने, उनके निर्माण कार्य की निगरानी करने और खाद्य वस्तुओं को संरक्षित करने की तकनीकों पर काम करने वाली प्रयोगशालाओं से भी जुड़ सकते हैं।

वेतनमान

इस क्षेत्र में आप शुरुआती स्तर पर आप 8 से 15 हजार रुपये प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं। सालों के अनुभव के बाद 30 हजार रुपये प्रतिमाह या इससे भी ज्यादा कमाया जा सकता है। यदि आप स्वरोजगार से जुड़ते हैं, तो आपकी कमाई और बढ सकती है। इस क्षेत्र में सैलरी और काम दोनों दिलचस्प होते हैं।

किस तरह की होती है पढ़ाई

जिस तरह अलग-अलग तरह के खाने को देखकर मन खुशी बढ़ती है। ठीक उसी तरह फूड टेक्नोलॉजी में पढ़ाई जाने वाली पढ़ाई भी बहुत दिलचस्प होती है। फूड टेक्नोलॉजी तथा इससे संबंधित कोर्सेज के अंतर्गत खाद्य पदार्थों के रख-रखाव से लेकर पैकेजिंग, फ्रीजिंग आदि की तकनीकी जानकारियां शामिल होती हैं। इसके अंतर्गत पोषक तत्वों का अध्ययन, फल, मांस, वनस्पति व मछली प्रसंस्करण आदि से संबंधित जानकारियां भी दी जाती है।

यहां होते हैं कोर्स

यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी
जी. बी. पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चर ऐंड टेक्नोलॉजी, पंतनगर, **उत्तराखंड**
बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी
कानपुर यूनिवर्सिटी, कानपुर, उत्तर प्रदेश
कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता
गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर, पंजाब
मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई

मोबाइल के अधिक उपयोग से हो सकते हैं कई गंभीर रोग

लंबे समय तक मोबाइल इस्तेमाल करने से न केवल हमारी आंखें थकती हैं, बल्कि शरीर के कई हिस्सों में गंभीर समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। विज्ञान के अनुसार, मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से कमर दर्द, गर्दन और कंधों में तनाव, स्पॉन्डिलाइटिस और रीढ़ की हड्डी की समस्याएं बढ़ रही हैं। इसे टेक नेक या स्मार्टफोन सिंड्रोम भी कहा जाता है।

जब हम लंबे समय तक फोन को झुककर देखते हैं, तो हमारी रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव, जोड़ों में दर्द और हड्डियों की कमजोरी तक हो सकती है। स्पॉन्डिलाइटिस एक ऐसी समस्या है, जिसमें रीढ़ की हड्डी के जोड़ों में सूजन आ जाती है। मोबाइल फोन का लगातार झुककर इस्तेमाल करने से यह खतरा बढ़ता है। खासकर युवा और किशोर वर्ग में यह समस्या तेजी से फैल रही है। लोग लंबे समय तक मोबाइल पर गेम खेलते हैं, वीडियो देखते हैं या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। इस दौरान वे अपनी पीठ और कमर को सही मुद्रा में नहीं रखते, जिससे मांसपेशियों और हड्डियों पर लगातार दबाव पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति कमर और गर्दन के गंभीर दर्द में बदल सकती है।

मोबाइल फोन के लगातार उपयोग से केवल कमर या गर्दन ही नहीं, बल्कि हमारी आंखें भी प्रभावित होती हैं। मोबाइल स्क्रीन की नीली रोशनी आंखों की रेटिना और रोशनी पर असर डाल सकती है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में जलन, सूखापन, धुंधला दिखना और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मोबाइल का अत्यधिक उपयोग केवल शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं प्रभावित करता, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है।

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि मोबाइल का उपयोग सीमित समय के लिए करें और स्क्रीन को आंखों की ऊंचाई पर रखें। लंबे समय तक फोन का इस्तेमाल करते समय बीच-बीच में ब्रेक लें और स्ट्रेचिंग करें। सही मुद्रा में बैठना बहुत जरूरी है, पीठ सीधी और कंधे आराम से रखने चाहिए। इसके अलावा, नीली रोशनी को कम करने वाले ऐप्स या स्क्रीन फिल्टर्स का इस्तेमाल करना आंखों को सुरक्षित रखने में मदद करता है। लगातार नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया की तुलना और ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में भाग लेने की आदत तनाव, चिंता और नींद की कमी का कारण बन सकती है। नींद की कमी से शरीर की ऊर्जा और मांसपेशियों की रिकवरी प्रभावित होती है, जिससे मानसिक रूप से भी थकान महसूस होती है।

भारत में हैं सबसे ज्यादा मेडिकल कालेज

दुनियाभर में हेल्थकेयर पेशेवरों की मांग बढ़ती जा रही है। मंदी के दौर में भी इस सेक्टर पर कोई असर नहीं पड़ता है। हर साल करोड़ों छात्र एमबीबीएस, बीडीएस, बीएचएमएस जैसे कोर्स की पढ़ाई करने के लिए मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लेते हैं। इसी कारण दुनिया भर में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ती जा रही है पर इसमें भी भारत पहले नंबर पर है। दुनिया में सबसे ज्यादा मेडिकल कॉलेज भारत में हैं। भारत में मेडिकल एजुकेशन पर बहुत ध्यान दिया जाता है। साल 2024 तक, भारत में कुल 780 मेडिकल कॉलेज स्थापित हुए थे। इसमें सरकारी और निजी, दोनों शामिल हैं। यह संख्या 2014 से पहले 387 थी, जो अब 102 फीसदी की दर के साथ 780 तक पहुंच गई है।

भारत में हर साल करीब 1,18,137 एमबीबीएस ग्रेजुएट्स तैयार होते हैं। यह आंकड़ा 2024 के अनुसार है, जब मेडिकल सीटों की संख्या 51,348 (2014 से पहले) से बढ़कर 1,18,137 हो गई थी यानी 130 फीसदी की वृद्धि इसमें सिर्फ एमबीबीएस शामिल है. अगर पोस्टग्रेजुएट (एमडी और एमएस) को जोड़ा जाए तो संख्या और बढ़ जाएगी। वहीं साल 2022-23 में पीजी सीटें 64,059 थीं।

एमबीबीएस की सीटें सरकारी और निजी कॉलेजों में बंटी हुई हैं। निजी मेडिकल कॉलेज की फीस सरकारी कॉलेज की तुलना में ज्यादा होती है। एमबीबीएस सीटें: 1,18,137 (2024 तक). भारत के तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मेडिकल कालेज 74 हैं वहीं इसमें लगभग 11,000 से अधिक सीटें हैं। उत्तर प्रदेश में 68 कॉलेज, सीटें लगभग 9,000 से अधिक हैं।

कर्नाटक में 70 कॉलेज में 11,745 से अधिक सीटें हैं।

वहीं चीन में 2018 तक चीन में 420 मेडिकल संस्थान थे। वहां हर साल लगभग 4,00,000 डॉक्टर तैयार होते हैं। कॉलेजों की संख्या भारत से कम है, लेकिन उनकी आबादी (1.4 अरब) और बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण के कारण डॉक्टरों की संख्या ज्यादा है।

अमेरिका में अमेरिका में 2023 तक कुल 171 मेडिकल स्कूल थे। यहां हर साल लगभग 20,000-25,000 डॉक्टर निकलते हैं।

डिमांड में है एथिकल हैकर

आजकल जिस प्रकार से साइबर अपराध बढ़ते जा रहे हैं। उसको देखते हुए एथिकल हैकर की मांग तेजी से बढ़ रही है। एथिकल हैकर का काम अपने कौशल का इस्तेमाल कर कंपनियों और लोगों को साइबर हमले से बचाना हैं। एथिकल हैकर कंप्यूटर सिस्टम की कमजोरियों का पता लगाकर साइबर हमले रोकते हैं।

आजकल जिस प्रकार से साइबर अपराध बढ़ रहा है, उससे एथिकल हैकर्स की भी मांग भी तेजी से बढ़ी है। सरकारी क्षेत्र से लेकर निजी क्षेत्र सभी में इनके लिए अवसर काफी ज्यादा है। हालात ये है कि जरुरत जितनी है उससे इसके पेशेवरों की तादाद काफी कम है। ऐसे में यह एक फायदेमंद, रोमांचक और महत्वपूर्ण कॅरियर बन गया है। ऐसे में अगर आप भी कंप्यूटर और हैकिंग में रुचि रखते हैं, तो आप एथिकल हैकिंग की बारीकियां सीखकर इस क्षेत्र में उतर सकते हैं।

एथिकल हैकर बनने के लिए उम्मीदवार को कंप्यूटर सिस्टम से जुड़ी सभी अहम जानकारियां होनी चाहिए। इसमें स्क्रिप्टिंग, ऑपरेटिंग सिस्टम नेटवर्किंग का अच्छा ज्ञान, प्रोग्रामिंग पर अच्छी पकड़, सर्वर और सर्च इंजन, डाटाबेस की अच्छी समझ, नई तकनीकों से उसे लगातर अपडेट रहना होगा। इसके साथ ही विंडोज, लिनक्स और पायथन जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम की भी पूरी जानकारी होनी चाहिये।

एमबीबीएस में प्रवेश के लिए कितने स्कोर की होती है जरुरत

हर साल लाखों छात्र राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा देते हैं। इनमें से तमाम उम्मीदवारों का सपना होता है कि वह किसी भी तरह चुनिंदा मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएसएस की सीट हासिल कर सकें, लेकिन एक सवाल जो हर उम्मीदवार के मन में रहता है, वह है कि नीट में कितने स्कोर चाहिए, जिससे कि एमबीबीएसएस की सीट पक्की हो जाए? इसके बारे में पक्के तौर पर तो नहीं कहा जा सकता है पर नीट में एमबीबीएसएस के लिए दो स्कोमर महत्वौपूर्ण होते हैं और इन्हींस स्कोहर के आधार पर आपका प्रवेश तय होता है।

क्वालिफाइंग कट-ऑफ: यह न्यूनतम अंक हैं, जो नीट परीक्षा पास करने और काउंसलिंग के लिए योग्य होने के लिए चाहिए।

एडमिशन कट-ऑफ: यह कॉलेज का कट-ऑफ है, जो सरकारी या निजी मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए चाहिए।

एनटीए प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम क्वालिफाइंग परसेंटाइल निर्धारित करती है। ऐसे में एमबीबीएस के लिए सामान्य श्रेणी के लिए 50वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 720 से 164 के बीच होना चाहिए। वहीं ओबीसी , एससी, और एसटी श्रेणियों के लिए 40वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 163 से 129 के बीच होना चाहिए। सामान्य-पीएच श्रेणी के लिए 45वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 163 से 146 के बीच होना चाहिए। इसी तरह एससी, एसटी, और ओबीसी पीच श्रेणियों के लिए 40वां परसेंटाइल आवश्यक है, जिसका स्कोर रेंज 720 में से 145 से 129 के बीच होना चाहिए।

एमबीबीएस में एडमिशन के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेजों का कट ऑफ बहुत अधिक होता है। पिछले कई वर्षों के कट ऑफ के आधार पर कहा जा सकता है कि एआईएमएस, जेआईपीएमएआर , और एमएएमसी जैसे शीर्ष संस्थानों में एडमिशन के लिए नीट में 700 से 710 या उससे अधिक स्कोर लाना जरूरी है. तभी आप इन कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। वहीं .अन्य सरकारी कॉलेजों में 15 फीसदी अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) के तहत प्रवेश के लिए नीट में 650 से 700 का स्कोर जरूरी है। इसी तरह राज्य कोटा (85फीसदी) के लिए सामान्य श्रेणी में 600 से 650 स्कोर आवश्यक है। वहीं बोबीसी श्रेणी के लिए 590 से 650 स्कोर की आवश्यकता है।

अगर हिंदी भाषा है पसंद तो फील्ड में बना सकते हैं शानदार कैरियर

भारत में हिन्दी सबसे महत्वपूर्ण भाषा है। यह भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है और राज्य भाषा का अधिकार रखती है। संसदीय कार्य से लेकर न्यायिक और सरकारी संस्थानों में इसे ऑफिशियल कम्युनिकेशन की तरह उपयोग किया जाता है। हिंदी विश्व स्तर पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है, जिसमें लगभग 425 मिलियन लोग इसे अपनी पहली भाषा के रूप में पहचानते हैं और अतिरिक्त 120 मिलियन लोग हिंदी को दूसरी भाषा के रूप में बोलते हैं। हालांकि, इन उपलब्धियों के बाद भी आज करियर बनाने के लिए हिंदी को अंग्रेजी की तुलना में कमतर आंका जाता है, लेकिन यह सत्य नहीं है। हिंदी के क्षेत्र में कई बेहतरीन करियर ऑप्शन मौजूद हैं। आज हम आपको टॉप 10 ऐसे ही करियर ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप हिंदी भाषा की मदद से अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

1-राजभाषा ऑफिसर

राष्ट्रीयकृत बैंकिंग संस्थानों में राजभाषा ऑफिसर के रूप में कार्य करते हैं। उनकी नियुक्ति बैंक की सभी शाखाओं में होती है। इनकी प्राथमिक भूमिका ग्राहकों की मदद करने के अलावा रोज के कामों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना है। वे विभिन्न आधिकारिक दस्तावेजों का हिंदी में अनुवाद भी करते हैं।

2- जर्नलिज्म

अगर आप ने हिंदी भाषा में जर्नलिज्म का कोर्स किया है तो आप पत्रकारिता के क्षेत्र में एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर और रिपोर्टर आदि जैसे कई जॉब प्रोफाइल पर रहकर अच्छी सैलरी हासिल कर सकते हैं। यहां पर आपको न्यूजपेपर, रेडियो चैनलों, समाचार

चैनलों, पत्रिकाओं और डिजिटल समाचार मीडिया जैसे कई करियर ऑप्शन मिल जाएंगे।

3- कंटेंट राइटर/एडिटर

आज के समय में कंटेंट राइटर या एडिटर की जॉब को बेहतर विकल्प माना जाता है। इनका काम ब्लॉग लिखना, मार्केटिंग कॉपी, सोशल मीडिया कॉपी आदि लिखना व उसको एडिट करना होता है। हिंदी या मास कम्युनिकेशन में डिग्री होल्डर्स आसानी से हिंदी कंटेंट राइटर/एडिटर के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। कंटेंट राइटर और एडिटर्स पब्लिकेशन हाउस और मीडिया हाउस व एड एजेंसी में काम कर सकते हैं।

4- ट्रांसलेटर

आज जिस तरह से पूरा विश्व का एकीकरण हो रहा है उसमें हिंदी ट्रांसलेटर के लिए करियर के नए रास्ते खुल गए हैं। इस फील्ड में अब काम की कोई कमी नहीं है। हिंदी ट्रांसलेटर के तौर पर आप घर पर बैठकर भी काम कर सकते हैं। हालांकि एक बेहतरीन ट्रांसलेटर बनने के लिए आपकी हिंदी के साथ दूसरी भाषा पर भी अच्छी पकड़ होनी चाहिए। कई बड़ी कंपनियां भी अपने कंटेंट को हिंदी में मुहैया कराने के लिए ट्रांसलेटर को नियुक्त करती हैं।

5-इंटरप्रिटेशन

इंटरप्रेटर का काम भी ट्रांसलेटर की तरह एक लैंग्वेज का दूसरे लैंग्वेज में अनुवाद करना होता है। हालांकि इंटरप्रेटर लिखकर नहीं बल्कि बोलकर यह काम करते है। एक इंटरप्रेटर उन शब्दों को ट्रांसलेट करता है, जो दूसरा व्यक्ति अलग भाषा में कहता है। आप इंटरप्रेटर के तौर पर राजनयिक मिशनों, संयुक्त राष्ट्र और विदेशी छात्रों के साथ काम कर सकते हैं।

6-वॉयस ओवर आर्टिस्ट

एंटरटेनमेंट की दुनिया आज बहुत व्यापक हो गई है। हर माह कई विदेशी फिल्में व कार्टून भारत में लांच हो रही हैं। यदि आप में बोलने का स्किल और अच्छी आवाज है, तो आप वॉयस-ओवर को करियर ऑप्शन के रूप में अपना सकते हैं। वॉयस-ओवर कलाकारों की फिल्मों के अलावा रेडियो स्टेशनों, पॉडकास्ट, विज्ञापनों की डबिंग में काफी डिमांड रहती है।

7-हिंदी टाइपिस्ट/हिंदी स्टेनोग्राफर

हिंदी स्टेनोग्राफर और टाइपिस्ट की डिमांड कई दशकों से बनी हुई है। खास तौर पर सरकारी क्षेत्र में निकलने वाली जॉब में। हिंदी टाइपिंग और स्टेनोग्राफर का कोर्स कर आप अच?छी सैलरी के साथ सरकारी जॉब पा सकते हैं। इसके अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी आप अच्छी तनख्वाह पर नौकरी पा सकते हैं।

8-स्पीच राइटर

अगर आप में लिखने की क्षमता है तो आप स्पीच राइटर बन सकते हैं। स्पीच लोगों को प्रभावित करने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका है। सम्मोहक स्पीच लिखने के लिए लैंग्वेज पर कंट्रोल की जरूरत होती है। अगर आपमें ये काबिलियत है तो आप किसी राजनीतिक पार्टी के साथ जुड़कर स्पीच राइटर बन सकते हैं। वहीं सरकारी क्षेत्र, विज्ञापन एजेंसियों, कॉर्पोरेट में काम भी इनके लिए दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं।

9-नॉवलिस्ट/राइटर/ पोएट

अगर आप को नए तरीके से क्रिएटिव स्टोरी लिखना आता है तो आप हिंदी भाषा में नॉलेज हासिल करने के बाद पोएट/नॉवलिस्ट/राइटर बन सकते हैं। आज के समय में ऑडियोबुक, किंडल सपोर्टिड ई-बुक्स के राइज ने इस फील्ड में लोगों के करियर को एक नया आयाम दिया है।

10-हिंदी टीचर

हिंदी टीचर की जॉब सदाबहार ऑप्शन है। टीचर बनना सभी को पसंद होता है। अरग आपकी हिंदी में अच्छी पकड़ है तो आप किसी भी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थान में हिंदी टीचर के तौर पर जॉब कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस में भारतीय स्क्वाश स्टार अनाहत हारी

न्यूयॉर्क। भारतीय महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह यहां जारी स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। अनाहत से भारत को काफी उम्मीदें थीं पर वह टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जापान की विश्व की सातवें नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे के खिलाफ जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयीं। अपने पहले पीएसए प्लैटिनम-स्तरीय टूर्नामेंट में भाग ले रही अनाहत विश्व रैंकिंग में 31वें नंबर की खिलाड़ी हैं। इस खिलाड़ी ने पहले दो गेम जीते, पर इसके बाद वह जापान की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सतोमी ने वापसी करते हुए 6-11, 6-11, 11-2, 11-8, 11-6 से मुकाबल जीत लिया। सतोमी ने जीत के बाद खुशी जताते हुए कहा, 'यह मेरे लिए वास्तव में एक कठिन मैच था।

अल्काराज और सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

मेलबर्न। सर्बिया के कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। अल्काराज ने पुरुष एकल में अमेरिका के टॉमी पॉल को 7-6 (6), 6-4, 7-5 से हरा दिया। इस मुकाबले में अल्काराज ने कोई डबल-फॉल्ट नहीं किया। मैच के बाद अल्काराज ने कहा, यह कड़ा मैच था और सीधे सेटों में जीत हासिल करके मैं बहुत उत्साहित हूं। मेलबर्न पार्क में अपने पहले चार मैचों में मैंने जिस तरह सर्विस की, उससे मैं खुद काफी प्रभावित हूं।अल्काराज का मुकाबा अब क्वार्टर फाइनल में स्थानीय पसंदीदा एलेक्स डी मिनौर और एलेक्जेंडर बुब्लिक के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

'राजनीति में जीत मिली, क्रिकेट में हार गए'

ढाका। 2026 टी20 वर्ल्ड कप से बांग्लादेश के बाहर होने के बाद देश के क्रिकेट जगत में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के पूर्व महासचिव सैयद अशरफुल हक ने इस फैसले को बांग्लादेश क्रिकेट के लिए विनाशकारी करार दिया है। एक बातचीत में अशरफुल हक ने कहा कि बांग्लादेश ने भले ही राजनीतिक स्तर पर अपनी बात रख दी हो, लेकिन क्रिकेट के मोर्चे पर भारी नुकसान उठाया है।

न्यूजीलैंड को 8 विकेट से तीसरा टी-20 हराया, अभिषेक की 14 गेंद पर फिफ्टी

भारत ने न्यूज़ीलैंड से 10 ओवर में जीता मैंच

भारत की सबसे तेज टीम फिफ्टी

भारत ने 3.1 ओवर में ही टीम फिफ्टी पूरी कर ली, यह टीम की सबसे तेज टी-20 फिफ्टी रही। 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ टीम ने 3.4 ओवर में हाफ सेंचुरी पूरी की थी। ईशान किशन 28 और संजू सैमसन खाता खोले बगैर आउट हो गए। मैट हेनरी और ईश सोढी को 1-1 विकेट मिला। अभिषेक ने भारत के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया। 2007 में युवराज सिंह 12 गेंद पर हाफ सेंचुरी लगा चुके हैं। अभिषेक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फास्टेस्ट फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया। डेविड वॉर्नर 20 गेंद पर हाफ सेंचुरी लगा चुके हैं।

गुवाहाटी ■ एजेंसी

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 154 रन का टारगेट 10 ओवर में ही हासिल कर लिया। रविवार को गुवाहाटी में अभिषेक शर्मा ने महज 14 गेंद पर फिफ्टी लगाई। बरसापारा स्टेडियम में पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड 153 रन बना सका। भारत ने 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

अभिषेक ने 68, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 57 और ईशान किशन ने 28 रन बनाए। प्लेयर ऑफ द मैच जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और रवि बिश्नोई को 2-2 विकेट मिले। न्यूजीलैंड से ग्लेन फिलिप्स ने 48 रन बनाए। मैट हेनरी और ईश सोढी को 1-1 विकेट मिला।

भारत ने तीसरा टी-20 जीतकर 5 मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त भी बना ली। इसी के साथ टीम इंडिया ने लगातार 11वीं टी-20 सीरीज जीत ली। भारत ने पहला मैच 48 रन और दूसरा मैच 7 विकेट से जीता था। चौथा मुकाबला 28 जनवरी को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड को लगातार 5वीं टी-20 सीरीज हराई: भारत ने अजेय बढ़त बनाकर न्यूजीलैंड को लगातार पांचवीं टी-20 सीरीज हरा दी। न्यूजीलैंड ने 2019 में भारत को आखिरी बार अपने होमग्राउंड पर हराया था। टीम भारत में एक भी टी-20 सीरीज नहीं जीत सकी। टीम इंडिया ने दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2-2 से आखिरी बार सीरीज ड्रॉ खेली थी। तब से टीम 9 द्विपक्षीय सीरीज के साथ 2 टूर्नामेंट जीत चुकी है। भारत को आखिरी सीरीज हार भी जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली थी।

शीतकालीन ओलंपिक के लिए दो खिलाड़ियों के चयन पर रोक, 27 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली। *शीतकालीन ओलंपिक के लिए दो खिलाड़ियों के चयन का मामला अदालत पहुंच गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए इटली के मिलान और कोर्टिना में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेलों के लिए दो खिलाड़ियों के चयन पर रोक लगा दी है। अदालत के फैसले के बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की तदर्थ समिति ने चयन रोक दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 27 जनवरी को होगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने चयन प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए अंतिम निर्णय को लंबित कर दिया है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर याचिका में क्रॉस-कंट्री स्कीयर मंजीत ने 2026 शीतकालीन ओलंपिक के लिए क्रॉस-कंट्री स्कीइंग स्पर्धा में स्टांजिन लुंडुप का नाम भेजे जाने के आईओए के फैसले को चुनौती दी थी। मंजीत का तर्क था कि अंतरराष्ट्रीय स्की और स्नोबोर्ड महासंघ (एफआईएस) की रैंकिंग में ऊपर होने के बावजूद उन्हें नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने याचिका में चयन प्रक्रिया में गलतियों के साथ ही हितों के टकराव का मामला भी बताया। यह चयन आईओए द्वारा स्की एंड स्नोबोर्ड इंडिया के संचालन के लिए गठित तदर्थ समिति ने किया था।*

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विवि रोलर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता

अन्ना यूनिवर्सिटी और एमजीयू कोट्टायम का दबदबा

विश्वास सारंग द्वारा खेल प्रतिस्पर्धा का शुभारंभ

भोपाल ■ निसं

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय रोलर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन 1000 मीटर स्प्रिंट रेस में देशभर के विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। पुरुष वर्ग में अन्ना यूनिवर्सिटी और महिला वर्ग में महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी कोट्टायम ने शीर्ष स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किए। चैंपियनशिप के दूसरे दिन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंत्री विश्वास सारंग जी और विशिष्ठ अतिथि मध्य प्रदेश स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक भारूखा द्वारा किया गया। इस अवसर पर इंटरनेशनल रेफरी पुष्पेंद्र सिंह सहित मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. ए. एस. यादव, रजिस्ट्रार डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी सहित कार्य समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

महिला वर्ग में 1000 मीटर स्प्रिंट रेस में महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम की ए.ए. अबना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1:47:31 के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। तमिलनाडु की डॉ. एम.जी.आर. मेडिकल यूनिवर्सिटी की कार्तिका जे. ने 1:47:55 के समय के साथ दूसरा स्थान (रजत पदक) हासिल किया। वहीं, अन्ना यूनिवर्सिटी के गोपिका 1:49:39 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग में 1000 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में अन्ना यूनिवर्सिटी के आनंद कुमार ने अपनी रफ्तार का जादू बिखेरा। उन्होंने 1:31:65 का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट के कार्तिकेय ए. (1:32:07) को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा, जबकि अन्ना यूनिवर्सिटी के ही बलराम (1:32:31) ने तीसरा स्थान हासिल कर अपनी यूनिवर्सिटी की झोली में एक और पदक डाला।

साइबर संकट: 14.9 करोड़ यूजरनेम और पासवर्ड लीक

नई दिल्ली। जीमेल, इंस्टाग्राम, फेसबुक और नेटफ्लिक्स जैसी दिग्गज इंटरनेट कंपनियों के 14.9 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के लॉगिन क्रेडेंशियल (यूजरनेम और पासवर्ड) कथित तौर पर लीक हो गए हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार सार्वजनिक रूप से उजागर हुए इस डेटा में जीमेल के 4.8 करोड़, याहू के 40 लाख, फेसबुक के 1.7 करोड़, इंस्टाग्राम के 65 लाख और नेटफ्लिक्स के 34 लाख खाते शामिल हैं। इसके अलावा आउटलुक के भी 15 लाख खातों की जानकारी लीक होने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध यह डेटाबेस पासवर्ड से सुरक्षित या एन्क्रिप्टेड नहीं था। इसमें कुल 14.94 करोड़ विशिष्ट लॉगिन और पासवर्ड मौजूद थे।

चना, उड़द, तुअर और मसूर दालों के थोक भाव में सप्ताह के दौरान बढ़त रही

नई दिल्ली। घरेलू थोक अनाज और खाद्य पदार्थ बाजारों में इस सप्ताह मिली-जुली टिप्पणियां रही, जिसमें कुछ वस्तुओं के भाव बढ़े तो कुछ में नरमी और उतार-चढ़ाव देखने को मिला। चावल की औसत थोक कीमत में साप्ताहिक तेजी रही और यह वृद्धि के साथ लगभग 3,818 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई है, जो पिछले सप्ताह के मुकाबले करीब 23 रुपए की बढ़ोतरी दर्शाता है।

संक्षिप्त समाचार

दुनिया का सिरमौर बनेगा भारतः डॉ. मोहन भागवत

पटना। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ मोहनराव भागवत ने कहा कि अपना देश आगे बढ़े और दुनिया का सिरमौर बने। इसकी परिस्थिति भी बन रही है, लेकिन चुनौती भी कम नहीं हैं। कुछ देशों को भारत का आगे बढ़ना अच्छा नहीं लग रहा है। उन्हें अपनी दुकान बंद होने का खतरा दिख रहा है। जिससे वे आगे बढ़ने के मार्ग में बाधा खड़ी करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि डर दूर करने के लिए निर्भरता जरूरी है। निर्भरता से समस्याओं को दूर किया जा सकता है। आरएसएस के सर संघचालक डॉ भागवत रविवार को मुजफ्फरपुर जिले के बोचहा प्रखंड अन्तर्गत गरहा स्थित एक होटल में आयोजित एक सामाजिक सद्भाव विचार गोष्ठी सह संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डॉ भागवत ने कहा कि दुनिया में सद्भाव जरूरी है। सद्भाव नहीं रहने पर लोग आपस में लड़कर मर जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी विदेशी शक्ति ने अपनी ताकत के बल पर हमें पराधीन नहीं किया। विदेशी शक्तियों ने हमारी फूट का लाभ उठाकर जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि समाज में सद्भाव रहने पर लोग सभी के सुख दुख में शामिल होंगे, इससे समस्या अपने आप दूर हो जाएगी।

नेपाल : संसद के उच्च सदन राष्ट्रीय सभा के 18 सीटों के लिए आज मतदान

काठमांडू। 4 मार्च से रिक्त होने वाली संसद के उच्च सदन राष्ट्रीय सभा (नेशनल असेंबली) की 18 सीटों के लिए आज मतदान शुरू हो गया है। निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता नारायण भट्टराई के अनुसार, रविवार सुबह 9 बजे देश के सभी सातों प्रांतों की राजधानियों में निर्धारित मतदान केंद्रों पर वोटिंग शुरू हुई। मतदान दोपहर 3 बजे तक चलेगा। इन 18 सीटों में से कोशी प्रदेश की खास आर्य श्रेणी की एक सीट पर निर्विरोध निर्वाचन हो चुका है। इस सीट पर नेपाली कांग्रेस के सुनील बहादुर थापा निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। शेष 17 रिक्त सीटों के लिए आज चुनाव हो रहा है। भट्टराई के अनुसार, राष्ट्रीय सभा चुनाव में प्रांतीय सभा के सभी सदस्य, सभी नगरपालिका, उपमहानगरपालिका और महानगरपालिका के मेयर और डिप्टी मेयर तथा सभी गांवपालिकाओं के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष मतदाता होते हैं। आयोग ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय सभा चुनाव के लिए पहले निर्धारित मत-भार में संशोधन किया गया है, क्योंकि कुछ प्रतिनिधियों ने इस्तीफा देकर 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी दाखिल की है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री योगी के साथ किए बांके बिहारी के दर्शन

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को बांके बिहारी की चौखट पर हाजिरी लगाई। दोनों नेताओं ने आराध्य के चरणों में शीश झुकाकर विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश की 'ब्रज भूमि' पहुंचे नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ आध्यात्मिक व राजनीतिक कार्यक्रम में शिरकत की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बांके बिहारी मंदिर पहुंचकर ठाकुरजी के समक्ष दीपक प्रज्ज्वलित कर और पुष्प अर्पित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने ठाकुरजी से प्रदेश की सुख-समृद्धि और 'विकसित भारत' के संकल्प की सिद्धि के लिए प्रार्थना की। दर्शन के बाद मंदिर सेवायतों ने उन्हें प्रसाद भेंट किया गया। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम भी साथ रहे। इनके साथ गए योगी के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल आदि ने भी बांके बिहारी के दर्शन कर पूजा अर्चना की।

वरिष्ठ पत्रकार मार्क टुली का दिल्ली में निधन, 90 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन (बीबीसी) के वरिष्ठ पत्रकार मार्क टुली का रविवार को निधन हो गया। वह लगभग 90 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। दिल्ली के साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती टुली के निधन की उनके करीबी मित्र और पत्रकार सतीश जैकब ने पुष्टि की। मार्क टुली का जन्म 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता में हुआ था। उन्होंने बीबीसी में लंबा कार्यकाल बिताया और करीब 22 वर्षों तक नई दिल्ली ब्यूरो प्रमुख रहे। स्वतंत्र पत्रकारिता में भी उन्होंने अपनी पहचान बनाई। टुली ने भारत से जुड़ी अनेक ऐतिहासिक घटनाओं को कवर किया, जिनमें प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का अंतिम संस्कार, इंदिरा गांधी के साक्षात्कार, ऑपरेशन ब्लू स्टार, राजीव गांधी की हत्या और अयोध्या विवाद शामिल हैं। लेखक और प्रसारक के रूप में भी टुली ने इंडिया इन स्लो मोशन, नो फुल स्टॉप्स इन इंडिया और द हार्ट ऑफ इंडिया जैसी चर्चित पुस्तकें लिखीं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'लखपति दीदियों' को संबोधित करते हुए कहा

समृद्ध नारी से ही समृद्ध राष्ट्र बनेगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को देशभर से आईं 'लखपति दीदियों' को संबोधित करते हुए कहा कि समृद्ध नारी ही समृद्ध राष्ट्र की निर्माता बनेगी। अब वे सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं जो नई क्रांति है।

शिवराज सिंह ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में आयोजित 'लखपति दीदियों से संवाद' कार्यक्रम में कही, जो 26 जनवरी (सोमवार) में शामिल होने के लिए यहां एकत्र हुई हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का संकल्प महिलाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में शामिल करना है।

मंत्री ने महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा, 'अब हम केवल घर में नहीं रहेंगे, बल्कि चुनाव भी लड़ेंगे और सरकार भी चलाएंगे।' उन्होंने उदाहरण दिया कि कई राज्यों में 50 प्रतिशत आरक्षण के बावजूद बहनें अपनी योग्यता से 58 प्रतिशत तक पदों पर बैठी हैं।

मंत्री ने कहा कि 'लखपति दीदी' योजना के तहत 2 करोड़ 90 लाख का आंकड़ा पार कर लिया गया है और जल्द ही 3 करोड़ के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के शब्द हमारे लिए मंत्र हैं। अब समय आ गया है कि देश की कोई भी बहन गरीब न रहे। जो बहनें अभी भी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से बाहर हैं, उन्हें जोड़ना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है।'

महिलाओं की उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए मंत्री ने महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। अब एसएचजी समूहों के साथ-साथ व्यक्तिगत रूप से भी दीदियों को अपना उद्योग शुरू करने के लिए बड़ा लोन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने उद्योगपतियों की तुलना में दीदियों की तारीफ करते हुए कहा कि महिलाओं का एनपीए देश में सबसे कम है, जो उनकी ईमानदारी और जिम्मेदारी का प्रमाण है। बैंकों में होने वाली देरी को दूर करने के लिए मंत्रालय 20 तारीख को हैदराबाद में बैंकों के साथ एक विशेष बैठक करेगा। मंत्री ने कहा कि दीदियों द्वारा बनाए गए उत्पादों को सही बाजार दिलाने के लिए सरकार अब 'सरस मेलों' का विस्तार दिल्ली से निकालकर देश के हर कोने और हर जिले तक करेगी। साथ ही, जिला स्तर पर 'सी-मार्ट' जैसे प्लेटफॉर्म बनाने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण उत्पादों की पहुंच शहरी बाजारों तक सुलभ हो सके।

आजीविका मिशन अब केवल आर्थिक माध्यम नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन बन गया है। एसएचजी दीदियां अब सामाजिक परिवर्तन की वाहक बनेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि उनके क्षेत्र में उज्ज्वला गैस, जल जीवन मिशन, पीएम आवास और सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ हर पात्र महिला को मिले। उन्होंने बताया कि दीदियों को कौशल प्रदान करने के लिए 170 नए प्रशिक्षण केंद्रों की शुरुआत की गई है। इसके लिए सरकार प्रति केंद्र लगभग 8.50 लाख रुपये की राशि भवन और उपकरणों के लिए मुहैया करा रही है। अब कृषि सखी, बैंक सखी, पशु सखी तथा 'ड्रोन दीदी' के माध्यम से महिलाएं खेती और तकनीक के क्षेत्र में चमत्कार कर रही हैं। मंत्री ने कहा कि जरा से सहयोग मिलने पर बेटियां असंभव को संभव कर देती हैं। पिछली सरकारों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पहले बहनों की परवाह नहीं की गई, लेकिन आज मोदी सरकार में वे अपने पैरों पर खड़ी हैं।

गणतंत्र दिवस पर 163 नदी रक्षक बनेंगे विशेष अतिथि

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड 2026 में एक अनूठी पहल की गई है। कर्तव्य पथ पर दर्शक दीर्घाओं के नाम देश भर में बहने वाली प्रमुख नदियों के नाम पर रखे गए हैं। इसी भावना को साकार करते हुए ब्यास, ब्रह्मपुत्र, चंबल, चिनाब, गंडक, गंगा, घाघरा, गोदावरी, सिंधु, झेलम, कावेरी, कोसी, कृष्णा, महानदी, नर्मदा, पेन्नार, पेरियार, रावी, सोन, सतलुज, तीस्ता, वैगई और यमुना के नाम से जाना जाएगा।

जल शक्ति मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर) के विशेष अतिथि के रूप में कुल 163 लोगों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें जल योद्धा भी शामिल हैं। ये विशेष अतिथि उत्तराखंड से 28, झारखंड से 10, बिहार से 40 और उत्तर प्रदेश से 85 हैं।राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और भारतीय वन्यजीव संस्थान के संयुक्त सहयोग से कार्यरत गंगा प्रहरी-स्थानीय समुदायों से जुड़े प्रशिक्षित स्वयंसेवक-गंगा नदी की जैव विविधता संरक्षण, स्वच्छता, तथा निर्मल और अविरल धारा की बहाली के लिए कार्य कर रहे हैं। इनके साथ ही जलीय जीवों जैसे डॉल्फ़िन और कछुओं के संरक्षण में लगे निजी नागरिकों, गैर-सरकारी संगठनों तथा नदी संरक्षण और सामुदायिक आउटरीच से जुड़े लोगों को भी परेड देखने के लिए आमंत्रित किया गया है।

यह विशेष अतिथि पहल न केवल सामुदायिक योगदान को मान्यता देती है, बल्कि ग्रामीण नागरिकों को कर्तव्य पथ पर राष्ट्रीय महत्व के ऐतिहासिक समारोह को प्रत्यक्ष देखने का अवसर भी प्रदान करती है। इन अतिथियों की उपस्थिति से जनभागीदारी और सामुदायिक जुड़ाव को राष्ट्रीय विकास प्रयासों के केंद्रीय तत्व के रूप में और बल मिलेगा। सभी विशेष अतिथियों को दर्शक दीर्घा में बैठाया जाएगा। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सचिव वीएल कंथा राव घाघरा परिक्षेत्र से गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त, 27 जनवरी को ये विशेष अतिथि जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल तथा राज्यमंत्री वी. सोमन्ना और राज भूषण चौधरी संग बातचीत करेंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने की अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी कांग्रेस के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। बैठक में भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए व्यापार, सुरक्षा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। साथ ही इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिति और यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। यहां रविवार को हुई बैठक में अमेरिकी सांसद माइक रोजर्स, एडम स्मिथ और जिमी पैट्रोनिस शामिल थे। बैठक में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद रहे।

पद्मश्री से सम्मानित होंगे नीलेश मांडलेवाला, सूरत को दी 'ऑर्गन डोनर सिटी' की पहचान

सूरत ■ एजेंसी

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्मश्री पुरस्कार 2026 से गुजरात के सूरत के समाजसेवी और टेक्सटाइल कारोबारी नीलेश मांडलेवाला भी सम्मानित होंगे। ऑर्गन डोनेशन के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान ने सूरत को टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के साथ-साथ 'ऑर्गन डोनर सिटी' के रूप में नई पहचान दिलाई है।

नीलेश मांडलेवाला की यह यात्रा किसी सरकारी योजना से नहीं, बल्कि एक बेटे की पीड़ा से शुरू हुई थी। वर्ष 1997 में उनके 70 वर्षीय पिता की किडनी खराब हो गई थी। इलाज मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में कराया गया, लेकिन 2004 में एंजियोप्लास्टी में लगाया गया स्टेंट फेल हो गया और उन्हें डायलिसिस पर आना पड़ा। नीलेश और उनके अमेरिका में रहने वाले भाई ने पिता को किडनी देने की इच्छा जताई, लेकिन पिता ने मना कर दिया। इसके बाद पिता का डायलिसिस सूरत के महावीर अस्पताल में शुरू हुआ। अस्पताल में लगातार आना-जाना करते हुए नीलेश मांडलेवाला ने देखा कि ऑर्गन फेल होने वाले मरीज और उनके परिजन किस तरह संघर्ष कर रहे हैं। यहीं से उन्होंने इस दिशा में काम करने का निश्चय किया। सबसे पहले उन्होंने किडनी रोग की रोकथाम को लेकर जनजागृति अभियान शुरू किया। अस्पतालों के आईसीयू में ब्रेन डेड मरीजों के मामलों को समझा और न्यूरो सर्जन व चिकित्सकों से संपर्क स्थापित किया। विगत 12 जनवरी 2006 को सूरत के अशक्ता आश्रम अस्पताल में एक मरीज को ब्रेन डेड घोषित किया गया। उन्होंने परिजनों को समझाकर ऑर्गन डोनेशन के लिए तैयार किया। अहमदाबाद के आईकेडीआरसी अस्पताल की टीम ने आकर किडनी ट्रांसप्लांट किया। यह गुजरात में पहला इंटरसिटी कैडेवर ट्रांसप्लांट था। इसके बाद स्मीमेर अस्पताल में ब्रेन डेड हुए युवक की किडनी अहमदाबाद और लीवर हैदराबाद भेजा गया। उस समय गुजरात में लीवर ट्रांसप्लांट की सुविधा नहीं थी। इसी वर्ष साढ़े चार साल के बच्चे का ऑर्गन डोनेशन भी कराया गया, जो उस समय देश का सबसे कम उम्र का डोनर माना गया।

ट्रंप की धमकियों के बीच कनाडा का देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद खरीदने का संदेश

ओटावा ■ एजेंसी

अमेरिका के साथ कनाडा के रिश्तों में कड़वाहट और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। चीन-कनाडा के संभावित व्यापार समझौते पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों के बीच कनाडा ने देशवासियों को स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता का देने संदेश दिया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि कनाडा की अर्थव्यवस्था पर इस समय बाहरी खतरे को देखते हुए जो हमारे नियंत्रण में है, उसी पर ध्यान देना होगा।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने एक वीडियो संदेश जारी कर देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की है।उन्होंने कहा कि 'कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है। ऐसे में कनाडा के लोगों के पास यही रास्ता है कि वो ही सामान खरीदें, जो कनाडा में बने हों। दूसरे देश क्या करते हैं, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। जो हमारे नियंत्रण में है उसपर फोकस करें। हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि देश को मजबूत बनाया जा सके।'

कार्नी की यह अपील उस समय आई है जब जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चीन के साथ व्यापार समझौते करने पर कड़ी चेतावनी देते हुए उसपर सौ फीसदी टैरिफ की धमकी दी। ट्रंप ने कहा कि अगर कनाडा ने चीन के साथ व्यापारिक रिश्ते बढ़ाए तो अमेरिका कनाडा के सामान पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएगा। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट साझा कर कहा है कि अगर कार्नी कनाडा को चीन के लिए अमेरिका में सामान भेजने का 'ड्रॉप ऑफ पोर्ट' बनाना चाहते हैं, तो यह गलतफहमी है। उन्होंने दावा किया कि चीन कनाडा के कारोबार, सामाजिक ढांचे और जीवनशैली को पूरी तरह नष्ट कर देगा। दोनों देशों के बीच ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद तल्खी तब और बढ़ गई जब ट्रंप ने कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही। हालांकि पिछले साल कार्नी ने जब व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी, इस दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है।हाल ही में कनाडा के प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर नए वर्ल्ड ऑर्डर पर चर्चित भाषण दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि आज की दुनिया बड़ी ताकतों की आपसी होड़ का दौर है। जो नियमों पर चलने वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था थी, वह अब कमजोर पड़ रही है। ताकतवर देश वही करते हैं जो वे करना चाहते हैं और छोटे या कमजोर देशों को उसे झेलना पड़ता है।

दस हजार बीघा अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त, एक हजार से अधिक निर्माण सील

देहरादून ■ एजेंसी

उत्तराखंड में अवैध निर्माण और अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने अपने क्षेत्र में लगभग 10 हजार बीघा भूमि पर की गई अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया है, जबकि एक हजार से अधिक अवैध निर्माणों को सील किया जा चुका है।

रविवार को एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने एक बयान जारी बताया कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण और अवैध प्लॉटिंग किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 10 हजार बीघा भूमि पर कार्रवाई की जा चुकी है और एक जार से अधिक अवैध निर्माणों को सील किया जा चुका है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि भूमि खरीदने या निर्माण कार्य से पहले एमडीडीए से आवश्यक अनुमति अवश्य प्राप्त करें।

प्राधिकरण का कहना है कि अवैध प्लॉटिंग शहरी नियोजन, पर्यावरण संरक्षण और जनसुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। ऐसी गतिविधियाँ भविष्य में जलभराव, यातायात अवरोध और अन्य बुनियादी समस्याओं का कारण बनती हैं।

एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि प्राधिकरण की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और अवैध निर्माण चिन्हित होते ही तुरंत नियमानुसार सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और जुर्माना भी लगाया जा रहा है। एमडीडीए ने विकासनगर, सहसपुर, सेलाकुई, हरबर्टपुर, प्रेमनगर, सहस्त्रधारा रोड, डोईवाला, रायपुर, धर्मपुर सहित देहरादून जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की गई है।

गणतंत्र दिवस पर कौशल शक्ति का भव्य प्रदर्शन

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली ■ एजेंसी

गणतंत्र दिवस परेड 2026 में कर्तव्य पथ पर कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने अपनी भव्य झांकी 'कौशल से संचालित: एक आत्मनिर्भर, भविष्य के लिए तैयार भारत का निर्माण' के माध्यम से आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार भारत की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत की। यह झांकी कौशल से सशक्त भारत, युवा शक्ति द्वारा संचालित राष्ट्र और नवाचार से सक्षम विकास की प्रभावशाली कहानी को दर्शाती है।

झांकी के अग्रभाग में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के

देशभर के टॉपर शामिल रहे, जिन्हें कौशल दीक्षांत समारोह-2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सम्मानित किया गया था। कौशल क्षेत्र में भारत की वैश्विक पहचान को और मजबूत करते हुए, मंत्रालय ने हाल ही में ताइपेई में आयोजित वर्ल्डस्किल्स एशिया प्रतियोगिता-2025 में पदक और मेडलियन ऑफ एक्सीलेंस भी जीते हैं, जो भारत की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रतीक है। झांकी में समावेशी विकास को प्रमुखता से दर्शाया गया, जहां महिला और पुरुष प्रशिक्षु साथ-साथ प्रशिक्षण लेते नजर आए। पारंपरिक और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी ने यह रेखांकित किया कि कौशल विकास किस प्रकार महिला-नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि को गति दे रहा है और उभरते क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बढ़ा रहा है। झांकी के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि कर्तव्य पथ अब केवल सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय उपलब्धियों के प्रदर्शन का मार्ग नहीं, बल्कि युवा शक्ति का 'कौशल पथ' बन चुका है, जहां से विकसित भारत की यात्रा आगे बढ़ रही है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और सेमीकंडक्टर जैसे भविष्य उन्मुख क्षेत्रों को झांकी का केंद्र बनाया गया। मंत्रालय का एसओएआर (एआई तैयारी के लिए स्किलिंग) कार्यक्रम, जिसके तहत सभी के लिए नि:शुल्क, सरकारी नेतृत्व में एआई पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एआई सक्षम भूमिकाओं के लिए युवाओं को तैयार करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नई दिल्ली। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा रविवार को गणतंत्र दिवस से एक दिन पूर्व भारत पहुंच गए। उन्हें और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दोनों यूरोपीय नेता 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। अपने आगमन पर अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा ने 'एक्स' पर कहा कि भारत के 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 16वें यूरोप-भारत शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली आकर वे सम्मानित महसूस कर रहे हैं। व्यापार और सुरक्षा से लेकर स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और मजबूत जन संबंधों तक दोनों पक्ष एक मजबूत और बढ़ती ईयू-भारत साझेदारी का जश्न मना रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

77वें गणतंत्र दिवस की

प्रदेशवासियों को अनेक मंगलकामनाएं

भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज राष्ट्र के हर नागरिक के हृदय में देशभक्ति और देश के लिए गर्व का भाव सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नेतृत्व क्षमता के फलस्वरूप यह सब संभव हो पाया है। आज भारत वैश्विक शक्ति बनकर उभर रहा है।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश की उन्नति के मुख्य स्तंभ

अन्नदाता की समृद्धि से प्रगति की ओर मध्यप्रदेश

वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में घोषित किया गया है, इसका उद्देश्य अन्नदाता को समृद्ध और सशक्त बनाना है।

युवा शक्ति से राष्ट्र निर्माण

मध्यप्रदेश के युवा सक्षम और कौशलवान बनकर अपने सपनों को साकार करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

गरीब एवं जनजातीय वर्ग की तरक्की का संकल्प

गरीब और जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार और समस्त मूलभूत सुविधाओं के लिए हमारी सरकार संकल्पित है।

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

सशक्त नारी - सशक्त मध्यप्रदेश

नारी परिवार और समाज का दर्पण होती है। महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके पोषण, स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा एवं रोज़गार तक का ख्याल प्रदेश सरकार रख रही है।

अतुल्य विरासत से वैभवशाली मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत अद्भुत एवं समृद्ध है। यहां नैसर्गिक सुंदरता के साथ-साथ कला और संस्कृति भी बहुआयामी है।

औद्योगिक विकास का नया अध्याय

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास का एक उभरता केंद्र बन चुका है। गांवों को शहरों से जोड़ना हो या नए उद्योग स्थापित करने हों, प्रदेश आज चौतरफा विकास की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है।

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11193/2026 आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।